गुस्ताखी माफ

जिनके कंधों पर टिका, है पूरा परिवार।
महामहिम उनका महज, वेतन तीस हजार।
वेतन तीस हजार, मूल्य बस यही लगाया।
इतना सस्ता नहीं, घरों में मां का साया।
कह साहिल कविराय, बिखर जायेंगे तिनके।
घर-समाज है टिका, मात्र कंधों पर इनके।

- डॉ. राजेन्द्र साहिल

RNI NO PUNBIL/2014/59416

UTURNTIME.COM

यूटर्न टाइम

The Good, Bad and Ugly of India

FOLLOW US ON @UTURNTIMENEWS

VOL: 11 | ISSUE 153 | SATURDAY 13-06-2026 | RS-03 | PAGE-12 | PUBLISHED BY: LUDHIANA | HINDI DAILY NEWSPAPER Visit at : www.uturntime.com

सरकार की अरबों की संपत्ति राम भरोसे, क्या निगम छुड़वा पाएगा कब्जा!

मल्हार रोड पर सरकारी जमीन पर आलीशान कमर्शियल प्रोजेक्ट बनाना का मामला

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। लुधियाना की पॉश सड़कों में से एक मल्हार रोड पर सुए की सरकारी जमीन पर ही लोगों द्वारा कब्जा कर लिया गया। नगर निगम आज तक इस अवैध कब्जों को हटा नहीं पाया। सरकार की अरबों की संपत्ति राम भरोसे है। वहीं अब उसी संपत्ति के एक हिस्से पर आलीशान कमर्शियल प्रोजेक्ट बनने जा रहा है। रॉयलिस्टा कंपनी द्वारा बनाए जा रहे द लग्जरियस सेंट्रम बाय रॉयलिस्टा नामक कमर्शियल प्रोजेक्ट में करोड़ों रुपए की सरकारी जमीन कब्जाई गई है। जिसे मालिक द्वारा अपनी प्रॉपर्टी के बीच मिलाकर निर्माण किया जा रहा है। इसमें करीब 415 गज सरकारी जमीन पर कब्जा है। वैसे तो नगर निगम मल्हार रोड पर पुरानी इमारतें होने के कारण एक्शन न लेने के दावे करता है। मगर अब तो नई इमारत बन रही है, क्या अब बिल्डिंग ब्रांच इसे रोक पाएगी या हमेशा की तरह बिल्डिंग बनने के बाद पहले सील की जाएगी। फिर सेटिंग होने पर सील खोलकर बिल्डिंग को पास कर दिया जाएगा।

सरकारी जमीन पर बनाया जा रहा कमर्शियल प्रोजेक्ट

विजिलेंस करवा चूकी मेजरमेंट

इन अवैध कब्जों की विजिलेंस ब्यूरो जांच कर रही है। विजिलेंस ने पूरी सड़क की लेजर से मेजरमेंट करवाई, तो पता चला कि फिरोजपुर रोड की तरफ से मल्हार रोड 120 फीट चौड़ी है। वेल्कम पैलेस तक चौड़ाई सही है। उसके आगे लगातार चौड़ाई कम होती गई और हीरो बेकरी तक 90 फीट रह गई। यानि कि 10 से लेकर 30 फीट तक सभी इमारत मालिकों ने कब्जे कर रखे हैं। इसमें सरुप कौर की जमीन भी 415 गज कब्जाई हुई सामने आई। हालांकि दो साल पहले तक सरुप कौर द्वारा पहले 12 फीट जगह छोड़ी गई थी और फिर कब्जा ली गई। इसी तरह हीरो बेकरी के साथ मेडिकल स्टोर मालिक ने भी जमीन पहले छोड़ी, फिर कब्जा ली।

प्रोजेक्ट में 415 गज सरकारी जमींन है शामिल

बता दें कि उक्त कमर्शियल मार्केट द लग्जरियस सेंट्रम के मालिक द्वारा करीब 415 गज सरकारी जमींन कब्जाई है। दरअसल, यह जमीन पहले हीरो बेकरी के पड़ोसी भाई-बहन मक्खन सिंह और सरुप कौर की थी। जिनका कुल 1140 गज जमीन पर कब्जा था। लेकिन जब जांच हुई तो पता चला कि उनकी अपनी 725 गज है, जबकि 415 गज सुए की सरकारी जमीन पर कब्जा कर रखा है। हालांकि 2008 में सरुप कौर और मक्खन सिंह ने 260 गज सरकारी जमीन कब्जाई थी। मगर फिर उन्होंने और जमीन भी अपनी प्रॉपर्टी में मिला ली। उक्त जमीन की करीब करोड़ों रुपए हैं। वहीं जमीन अब सरुप कौर के रिश्तेदारों ने आगे कमर्शियल प्रोजेक्ट मालिक को बेच दी।

इललीगल कंपाउंड की गई है इमारत

हीरो बेकरी सरकारी जमीन पर होने के चलते न तो कभी इसका नक्शा पास हो सकता है, न ही सीएलयू हो सकता है और न ही बिल्डिंग कंपाउंड होगी। यह बिल्डिंग सिर्फ गिराई जा सकती है। हीरो बेकरी मालिक जीत सिंह ने निगम अफसरों के साथ मिलकर बिल्डिंग कंपाउंड की 75 हजार रुपए फीस जमा करवा दी और अफसरों ने भी इसे रेगुलर कर दिया। जबकि दो बार सील की और फिर खोल दी।

निगम के उच्च अधिकारी की छत्रछाया

चर्चा है कि उक्त कमर्शियल प्रोजेक्ट को नगर निगम के कुछ उच्च अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त है। उनकी छत्रछाया में ही यह निर्माण हो रहा है। इसी के चलते नीचे सत्र के अधिकारी मामले में एक्शन लेने और कुछ बोलने से गुरेज कर रहे हैं। हालांकि वे अधिकारी कौन है, उसे लेकर चर्चा छिड़ी हुई है।

हीरो बेकरी के बिधी चंद ने कब्जा रखी 50 गज जमीन

2003 में पूर्व पार्षद सतपाल पूरी अवैध कब्जों के खिलाफ हाईकोर्ट पहुंचे। कोर्ट ऑर्डर पर लुधियाना निगम ने सर्वे किया। जिसमें पूरे शहर में 6355 जगह सरकारी जमीनें कब्जाने का पता चला। इसमें पक्खोवाल रोड स्थित हीरो बेकरी चौक की नुकर पर एक 50 गज की जमीन पर हीरो बेकरी के पहले मालिक बिधी चंद द्वारा कब्जा कर रखा था। उनके पड़ोसी भाई-बहन मक्खन सिंह और सरुप कौर की और से 260 गज सरकारी जमीन कब्जाई थी। हाईकोर्ट ने अक्टूबर 2008 में छह महीने के अंदर बेकरी समेत बाकी सरकारी जमीन के कब्जे छुड़वाने के आदेश दिए। निगम अफसरों ने कई जमीनें छुड़वा ली, जबकि बेकरी और सरुप कौर की जमीनें छोड़ दी।

जर्मनी से लुधियाना तक का सफर रहा शानदार, यात्री ने की हलवारा एयरपोर्ट की तारीफ

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। अब विदेश यात्रा के बाद लंबी सड़क यात्राओं की झंझट कम हो सकती है। हलवारा एयरपोर्ट तेजी से लुधियाना और आसपास के शहरों के लोगों के लिए इंटरनेशनल ट्रैवल का एक आसान और सुविधाजनक विकल्प बनकर उभर रहा है। हाल ही में जर्मनी से यात्रा पूरी कर दिल्ली होते हुए हलवारा पहुंचे एक यात्री ने अपना अनुभव साझा करते हुए बताया कि पूरा सफर बेहद आसान, आरामदायक और बिना किसी परेशानी के पूरा हुआ। उन्होंने कहा कि दिल्ली से हलवारा तक की फ्लाइट कनेक्टिविटी ने उनकी यात्रा को पहले के मुकाबले काफी सरल बना दिया।

यात्री के अनुसार, एयरलाइन स्टाफ का व्यवहार सहयोगी और प्रोफेशनल रहा, जिससे इंटरनेशनल फ्लाइट के बाद घरेलू यात्रा भी सहज तरीके से पूरी हुई।

उन्होंने कहा कि पहले लुधियाना और आसपास के इलाकों के लोगों को दूसरे बड़े एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए कई घंटों का सड़क सफर करना पड़ता था, लेकिन अब हलवाराझ्दिल्ली हवाई सेवा के जरिए सीधे दुनिया के कई देशों से बेहतर कनेक्शन मिल सकता है।

column - हलवारा एयरपोर्ट: लुधियाना और आसपास के यात्रियों के लिए सुविधाजनक अंतरराष्ट्रीय गेटवे

— अश्विन नागपाल (मैनेजिंग डायरेक्टर HRBL)

उन्होंने उद्योगपतियों, व्यापारियों, छात्रों और परिवारों से इस सुविधा का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल करने की अपील की। उनका मानना है कि अगर यात्री संख्या बढ़ती है तो आने वाले समय में इस सेवा का विस्तार होगा और क्षेत्र को और बेहतर एयर कनेक्टिविटी मिल सकेगी। हलवारा एयरपोर्ट को लेकर लोगों में उम्मीद है कि यह आने वाले समय में लुधियाना क्षेत्र के लिए यात्रा, व्यापार और वैश्विक संपर्क का बड़ा केंद्र बन सकता है। हाल ही में मुझे जर्मनी से अपनी अंतरराष्ट्रीय यात्रा पूरी करने के बाद नई दिल्ली से हलवारा (लुधियाना) तक हवाई यात्रा करने का अवसर मिला। इस पूरे सफर ने मुझे यह महसूस कराया कि अब लुधियाना और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए अंतराष्ट्रीय यात्रा पहले की तुलना में कहीं अधिक आसान और सुविधाजनक होती जा रही है।

नई दिल्ली से हलवारा तक की यात्रा बेहद सहज, आरामदायक और बेहतर समन्वय के साथ पूरी हुई। पूरे सफर के दौरान एयरलाइन टीम का व्यवहार स्वागतपूर्ण, सहयोगी और पेशेवर रहा। खास तौर पर म्यूनिख से दिल्ली और फिर दिल्ली से लुधियाना तक का कनेक्शन इतना सुचारू रहा कि यात्रा कहीं भी थकाऊ या तनावपूर्ण महसूस नहीं हुई। लुधियाना और आसपास के शहरों के निवासियों के लिए हलवाराझ्दिल्ली हवाई सेवा एक महत्वपूर्ण सुविधा के रूप में सामने आई है। पहले अंतराष्ट्रीय यात्रियों को बड़े एयरपोर्ट तक पहुंचने के लिए लंबी सड़क यात्राएं करनी पड़ती थीं, जिससे समय और ऊर्जा दोनों अधिक खर्च होते थे। लेकिन अब दिल्ली के माध्यम से दुनिया के विभिन्न देशों तक पहुंचना और वापस घर लौटना कहीं अधिक आसान हो गया है।

यह सुविधा केवल यात्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि उद्योगपतियों, व्यवसायियों, छात्रों और परिवारों के लिए भी बेहद उपयोगी साबित हो सकती है। बेहतर एयर कनेक्टिविटी किसी भी क्षेत्र के आर्थिक और सामाजिक विकास में अहम भूमिका निभाती है। मैं लुधियाना और आसपास के लोगों से अपील करता हूं कि वे इस हवाई सेवा का अधिक से अधिक उपयोग करें। यात्रियों का बढ़ता सहयोग भविष्य में इन सेवाओं को और मजबूत बनाने तथा नई संभावनाओं को खोलने में मदद करेगा।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 2

तीन भारतीयों की मौत और बस एक हल्की कूटनीतिक आवाज... टीवी एंकर खामोश

तीन भारतीय नाविकों की मौत हो गई है। वे कोई लड़ाके नहीं थे। वे किसी सैन्य बल का हिस्सा भी नहीं थे। अमेरिका/इजरायल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष में, अमेरिकी सैन्य कार्रवाई में उनकी जान चली गई। वे आम मर्चेंट मैरिनर थे जो दुनिया के सबसे अशांत समुद्री रास्तों में से एक पर एक कमर्शियल जहाज पर काम करके अपनी रोजी-रोटी कमा रहे थे। फिर भी, खाड़ी में अमेरिकी सैन्य हमले में उनकी जान चली गई। भारत ने इस पर ₹कड़ा विरोध₹ जताया है, एक सीनियर अमेरिकी राजनयिक को तलब किया है और संयम बरतने व तनाव कम करने की अपील की है। सरकारी एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है और उस इलाके में काम कर रहे भारतीय समुद्री कर्मियों की सुरक्षा के लिए कोशिशें की जा रही हैं। ये जरूरी कदम हैं, लेकिन क्या ये काफी हैं? हैरानी की बात है कि टीवी स्टूडियो ने दूसरी तरफ मुंह मोड़ लिया है, वहां सन्नाटा पसरा है। एंकर ऐसे चुप हो गए हैं जैसे उन्हें पता ही न हो कि क्या सवाल पूछना है और किससे पूछना है।

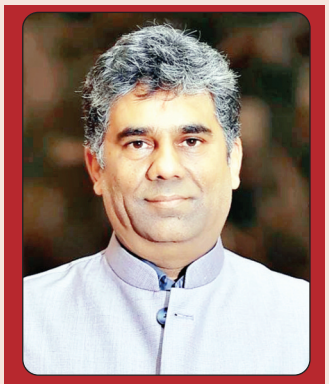

संदीप शर्मा, सम्पादक

चीफ इंजीनियर पटनाला सुरेश, डेक कैडेट आदित्य शर्मा और फिटर शिवानंद चौरसिया की मौत कई मुश्किल सवाल खड़े करती है। अगर भारत के रणनीतिक साझेदार कहे जाने वाले देश की सैन्य कार्रवाई में तीन भारतीय नागरिकों की जान जा सकती है, तो क्या नई दिल्ली का जवाब सिर्फ कूटनीतिक विरोध और नपे-तुले बयानों तक ही सीमित रहना चाहिए?

सच कहें तो, कूटनीति कोई नाटक नहीं है। सरकारें हमेशा बंद दरवाजों के पीछे हुई बातचीत का पूरा ब्योरा नहीं देतीं। नई दिल्ली कई बातों का संतुलन बना रही हो सकती है: खाड़ी में अभी भी काम कर रहे हजारों भारतीय नाविकों की सुरक्षा, वाशिंगटन के साथ व्यापक रणनीतिक संबंध, रक्षा सहयोग, व्यापारिक रिश्ते और क्षेत्रीय स्थिरता की चिंताएं। सार्वजनिक टकराव से शायद भारत के हितों को फायदा न हो। फिर भी, यह संयम हैरान करने वाला है। अगर ऐसी घटना किसी और देश के साथ हुई होती, तो जवाबदेही की मांग और जोरदार होती। संसद जवाब मांग रही होती। टीवी स्टूडियो गुस्से से उबल रहे होते। मुआवजे, स्वतंत्र जांच और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मामले की पड़ताल की मांगें उठतीं। रणनीतिक साझेदारी भारतीय नागरिकों की जान की कीमत के मामले में अलग-अलग पैमाने अपनाने की वजह नहीं बन सकती।

सरकार ने इस बात पर जोर दिया है कि नाविकों की जान अहम है। लेकिन इन बातों के बाद कार्रवाई भी होनी चाहिए। भारत को उन हालात का पारदर्शी ब्योरा मांगना चाहिए जिनकी वजह से यह हमला हुआ। उसे ऐसी घटनाओं को दोबारा होने से रोकने के लिए स्पष्ट नियमों पर जोर देना चाहिए। मृतकों के परिवारों को सिर्फ. संवेदना नहीं, बल्कि जवाब चाहिए।

यह बिना सोचे-समझे तनाव बढ़ाने की बात नहीं है, बल्कि उस कूटनीति की बात है जो सही उसूलों पर टिकी हो। भारत को अमेरिका के साथ करीबी रिश्ते बनाए रखने का पूरा हक है, और साथ ही भारतीय नागरिकों की मौत पर जवाबदेही की मांग करने का भी। समझदारी भरी साझेदारियां मुश्किल बातचीत से कमजोर नहीं होतीं, बल्कि उनसे और मजबूत होती हैं। भारत की प्रतिक्रिया का असली पैमाना किसी सरकारी बयान में ₹कड़ा विरोध₹ जैसे शब्द का इस्तेमाल होना नहीं होगा। असली बात यह होगी कि क्या तीन भारतीय नाविकों की मौत के बाद जवाबदेही तय होती है और क्या उन हजारों भारतीयों की सुरक्षा बेहतर होती है जो दुनिया भर के व्यापार के लिए खतरनाक समुद्री रास्तों पर काम करते हैं। आज अपने अपनों को खोने का गम मना रहे परिवारों के लिए, इससे कम कुछ भी काफी नहीं होगा।

आज सेंसेक्स अचानक करीब 1,700 अंक क्यों उछला? कैसे?

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। शुक्रवार को सेंसेक्स और निफ्टी में जबरदस्त तेजी आई और हफ़्ते का समापन मजबूती के साथ हुआ। इसकी वजह थी यूएस-ईरान के बीच शांति समझौते की संभावना की खबरें, जिससे ग्लोबल ऑयल सप्लाई में रुकावट कम होने की उम्मीद जगी और कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई। बीएसई सेंसेक्स 1,695.40 अंक या 2.3 प्रतिशत उछलकर 75,527.95 पर बंद हुआ, जबकि निफ्टी 50 में 461.30 अंक या 1.99 प्रतिशत की बढ़त हुई और यह 23,622.90 पर बंद हुआ। बाजार की शुरूआत ही जबरदस्त तेजी के साथ हुई; शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 900 अंक से ज्यादा और निफ्टी 250 अंक से ज्यादा ऊपर चढ़ा और पूरे सेशन के दौरान यह बढ़त बनी रही।

तेल की कीमतों में भारी गिरावट

शुक्रवार को कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट आई। इसकी वजह यह उम्मीद थी कि समझौते से होर्मुज जलडमरूमध्य (जो ग्लोबल ऑयल और गैस शिपमेंट के लिए एक अहम रास्ता है) फिर से खुल सकता है। इंटरनेशनल बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड 4.5 प्रतिशत गिरकर 86.31 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया, जबकि यूएस क्रूड 4.3 प्रतिशत गिरकर 83.90 डॉलर प्रति बैरल पर आ गया। ब्लूमबर्ग के अनुसार, स्पॉट गोल्ड 0.2 प्रतिशत बढ़कर 4,221.46 डॉलर प्रति औंस हो गया।

यूएस-ईरान बातचीत में प्रगति

यूएस राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के यह कहने के बाद निवेशकों का भरोसा बढ़ा कि ईरान के साथ युद्ध खत्म करने की बातचीत में प्रगति हुई है। ईरान की सेमी-ऑफिशियल मेहर न्यूज एजेंसी के अनुसार, समझौते के ड्राफ्ट में 14 प्रावधान शामिल हैं, जिनमें 30 दिनों के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलना, ईरान की फ्रीज की गई 24 अरब डॉलर की संपत्ति जारी करना और परमाणु मुद्दों पर 60 दिनों तक बातचीत करना शामिल है। जी7 के एक अधिकारी ने कहा कि रविवार तक समझौते पर हस्ताक्षर हो सकते हैं। इन घटनाक्रमों से 100 दिनों से ज्यादा समय से चल रहे युद्ध के खत्म होने की उम्मीद जगी है। यह युद्ध 28 फरवरी को यूएस और इजराइल द्वारा ईरान पर बिना किसी उकसावे के किए गए हमले के साथ शुरू हुआ था। तब से इसने ग्लोबल एनर्जी सप्लाई को बाधित कर रखा है।

बाजार में तेजी क्यों आई?

इस तेजी की मुख्य वजह तेल की कीमतों में भारी गिरावट थी। मार्च में ईरान में हुए टकराव की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य बंद हो गया था, जिससे कच्चे तेल की कीमतें बढ़ गईं और दुनिया भर में महंगाई का दबाव भी बढ़ गया। अगर इस जलमार्ग के फिर से खुलने के कोई संकेत मिलते हैं, तो बाजार इसे सकारात्मक रूप से देखते हैं क्योंकि इससे सप्लाई की कमी की चिंता कम होती है। तेल की कम कीमतें भारत के लिए खास तौर पर फायदेमंद हैं, क्योंकि भारत अपनी ज्यादातर कच्चे तेल की जरूरतें आयात से पूरी करता है।

साइकिल इंडस्ट्री ने की केंद्र के व्यापार विभाग के साथ बैठक, समस्याओं से कराया अवगत

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। लुधियाना की साइकिल इंडस्ट्री द्वारा भारत सरकार के उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग (डीपीआईआईटी) के संयुक्त सचिव और भारतीय साइकिल क्षेत्र के प्रभारी अधिकारी आईएएस डॉ. सुमित कुमार जरंगल के साथ एक बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की मेजबानी एवॉन साइकिल्स लुधियाना में की गई। बैठक का नेतृत्व एवॉन साइकिल्स के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक ओंकार सिंह पाहवा, एवॉन साइकिल्स के प्रबंध निदेशक एवं एआईसीएमए (एआईसीएमए) के

अध्यक्ष ऋषि पाहवा और एवॉन साइकिल्स के संयुक्त प्रबंध निदेशक मनदीप सिंह पाहवा ने किया। सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए ऋषि पाहवा ने बैठक के उद्देश्य को रेखांकित किया। उन्होंने भारतीय साइकिल उद्योग के सतत विकास को सुनिश्चित करते हुए गुणवत्ता मानकों को मजबूत करने के लिए एक सहयोगात्मक दृष्टिकोण अपनाने पर जोर दिया। इस सत्र में लगभग 30-35 प्रतिभागी व्यक्तिगत रूप से और लगभग 15 प्रतिभागी ऑनलाइन शामिल हुए। डॉ. ठाकुर ने संयुक्त सचिव डॉ. जरंगल और उनके चार अधिकारियों की टीम के समक्ष एक संक्षिप्त प्रस्तुति दी। मंच ने सर्वसम्मति से संयुक्त सचिव को उन तीन मुख्य पूर्व-शर्तों से अवगत कराया, जिन्हें वयस्कों और बच्चों की साइकिलों के लिए प्रस्तावित गुणवत्ता नियंत्रण आदेश को लागू करने से पहले पूरा किया जाना अत्यंत आवश्यक है। रिफ्लेक्टर पर क्यूसीओ को सबसे पहले पूरी तरह और अंतिम रूप से लागू किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि साइकिल आरएंडडी केंद्र पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है।

नेस्ले इंडिया ने दर्ज की दोहरे अंकों की वृद्धि, बिक्री 23,071 करोड़ रुपये के पार

मोगा/लुधियाना/यूटर्न/12 जून। नेस्ले इंडिया ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में मजबूत प्रदर्शन करते हुए दोहरे अंकों वाली वॉल्यूम-आधारित वृद्धि हासिल की है। कंपनी के चेयरमैन एवं मैनेजिंग डायरेक्टर मनीष तिवारी ने अपने पहले वार्षिक पत्र में कहा कि कंपनी ने पूरे वर्ष बुनियादी सिद्धांतों पर ध्यान केंद्रित करते हुए बाजार हिस्सेदारी में उल्लेखनीय बढ़ोतरी दर्ज की। इस दौरान कंपनी की कुल बिक्री 23,071.5 करोड़ रुपये रही। मनीष तिवारी ने कहा कि बदलते उपभोक्ता व्यवहार और चुनौतीपूर्ण कारोबारी माहौल के बावजूद कंपनी ने ग्राहकों की जरूरतों को प्राथमिकता देते हुए तेजी से निर्णय लिए और विकास की गति बनाए रखी। उन्होंने बताया कि शहरी क्षेत्रों में मांग मजबूत रही, जबकि ग्रामीण बाजारों में सुधार मानसून, किसानों

की आय और सरकारी सहायता पर निर्भर रहा। कंपनी के अनुसार भारत में उपभोक्ताओं की बदलती पसंद और बढ़ती आकांक्षाओं को देखते हुए उत्पादों में नवाचार और गुणवत्ता पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। नेस्ले इंडिया ने वर्ष 2025-26 के दौरान चार प्रमुख प्राथमिकताओं—ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, बाजार में पैठ बढ़ाकर वॉल्यूम आधारित वृद्धि, ब्रांड एवं क्षमता में निवेश तथा तकनीक आधारित बिक्री एवं संचालन—पर फोकस किया। तिवारी ने कहा कि कंपनी का लक्ष्य देश के शहरी, अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में उपभोक्ताओं को उनकी पसंद के अनुरूप उच्च गुणवत्ता वाले उत्पाद उपलब्ध कराना और दीर्घकालिक मूल्य सृजन को आगे बढ़ाना है।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 3

पेज 06 चंडीगढ़ की विरासत को जीने का मौका: पियरे जेनरे के ...

भाजपा जिला प्रधान उम्मीदवार के भाई और पूर्व पार्षद के बेटे ने चलाई गोलियां, अहाते पर 30 रुपए को लेकर हुआ विवाद, 2 गिरफ्तार

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। सुंदर नगर इलाके में स्थित एक चिकन कॉर्नर अहाते में शराब पीकर निकल रहे भाजपा जिला प्रधान उम्मीदवार के भाई और पूर्व पार्षद के बेटे ने एक साथी संग मिलकर विवाद शुरू कर दिया। चर्चा है कि अहाते के बिल में 30 रुपए देने को लेकर शुरू हुआ विवाद इतना बढ़ गया कि भाजपा नेता के भाई ने पिस्तौल निकाल ली। जिसके बाद फायरिंग कर दी। लेकिन इस दौरान किसी को जानी नुकसान होने से बचाव हो गया। जिसके बाद अहाता मालिक ने अपने रिश्तेदारों व इलाके के लोगों के साथ मिलकर हमलावरों को पकड़ लिया। जिन्हें बाद में पुलिस के हवाले कर दिया गया। आरोपियों के पास से एक पिस्तौल, छह कारतूस और एक मोटरसाइकिल बरामद हुई है। थाना दरेसी की पुलिस ने कैलाश नगर के आकाश की शिकायत पर बसंत नगर के राजन शर्मा और अंकुश शर्मा के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

बिल मांगने पर गाली गलोच की

शिकायतकर्ता ने बताया कि उसका फ्रैंड्स वाइन ठेके के साथ सनी चिकन कार्नर के नाम से अहाता है। जहां पर दोनों आरोपी शराब पीने के लिए बाइक पर आए थे। शराब पीने के बाद जाते हुए उन्हें बिल दिया गया। बिल में 30 रुपए ज्यादा होने की बात कहकर दोनों ने गाली गलोच करनी शुरू कर दी। जब उन्हें रोका तो आरोपियों ने पिस्तौल तान दी। जिसके बाद सड़क पर दो हवाई फायर किए। दोनों ने इतनी शराब पी रखी थी कि वे सही से खड़े भी नहीं हो पा रहे थे।

भाजपा नेता का भाई और बेटा है एक आरोपी

जानकारी के अनुसार आरोपी राजन शर्मा का परिवार राजनीतिक है। उसके पिता उमा दत्त शर्मा भाजपा के सीनियर लीडर है, जबकि भाई महेश शर्मा भाजपा के जिला प्रधान के उम्मीदवार की दौड़ में था। हालांकि उसे प्रधानगी नहीं मिल सकी। वहीं राजन की माता सुनीता शर्मा वॉर्ड 88 से पूर्व पार्षद है। साल 2024 के निगम चुनाव में आम आदमी पार्टी के नीरज आहूजा बूटा द्वारा उन्हें हरा दिया था।

समझौता कराने में जुटे कई लीडर

चर्चा है कि इस वारदात के बाद पुलिस दोनों आरोपियों को पकड़कर थाने ले गई। इस दौरान कई हिंदू नेता उन्हें बचाने के लिए थाने भी पहुंचे। वहीं देर रात से लेकर अगली सुबह तक कई लीडर समझौता कराने में जुटे रहे। हालांकि चर्चा है कि समझौता हो गया है। लेकिन हैरानी की बात तो यह है कि जिस व्यक्ति ने सरेआम सड़क पर खड़े होकर फायरिंग की, पब्लिक की जान को खतरे में डाला, उस पर पुलिस द्वारा अपनी तरफ से कोई कार्रवाई क्यों नहीं की जा रही। चर्चा है कि ऐसे तो कल को कोई भी फायरिंग करके समझौता कर लेगा।

केंद्रीय मंत्री पूरी ने इंडस्ट्रियल एंड प्रोफेशनल मीट 2026 में लिया हिस्सा, कारोबारियों की सुनी समस्याएं

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। केंद्रीय पेट्रोलियम मिनिस्टर हरदीप सिंह पूरी दो दिन के लुधियाना दौरे पर होने के चलते शुक्रवार को शहर पहुंचे। इस दौरान उनकी और से इंडस्ट्रियल एंड प्रोफेशनल मीट 2026 में भाग लिया और इंडस्ट्री के साथ मीटिंग की। मीटिंग में कारोबारियों द्वारा अपनी समस्याएं बताई गई। इस दौरान भाजपा जिला प्रधान रजनीश धीमान, नेता व कारोबारी राकेश कपूर और जनरल सेक्रेटरी कनिका जिंदल भी मौजूद रहे। इस दौरान कारोबारियों ने मांग की कि पंजाब एग्रीकल्चर स्टेट है। जिसके चलते यहां पर एग्रीकल्चर व्हीकल ज्यादा इस्तेमाल होते हैं। लेकिन सरकार द्वारा 200 रुपए का डीजल एक दिन मिलने के कारण काफी परेशानी आ रही है। इस समस्या का हल करना चाहिए। वहीं बिजली के कट भी ज्यादा लगने के कारण इंडस्ट्री को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है। जिसके चलते केंद्र सरकार को बिजली कटौती पर विचार करने की जरुरत है। अगर ऐसे हालात रहे तो इंडस्ट्री को प्लायन करना पड़ेगा। इस मौके पर कारोबारियों में अशोक मित्तल, उपकार सिंह आहूजा, सुतीकक्षित टंडन, राकेश कपूर, प्रेजिडेंट रणजीत सिंह गांधी, सेक्रेटरी मनजीत सिंह, चेयरमैन अशोक सचदेवा, राजू शर्मा समेत कई कारोबारी मौजूद थे।

ITR वालों के लिए जरूरी खबर: 30 जून तक आ सकता है स्क्रूटनी नोटिस

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। वित्त वर्ष 2024-25 (आकलन वर्ष 2025-26) के लिए आयकर रिटर्न (ITR) की स्क्रूटनी से जुड़ा एक महत्वपूर्ण अपडेट सामने आया है। आयकर अधिनियम, 1961 की धारा 143(2) के तहत किसी भी रिटर्न की नियमित जांच (Scrutiny Assessment) के लिए नोटिस जारी करने और उसकी वैध सेवा की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तय की गई है।

इसका मतलब है कि यदि किसी करदाता को 30 जून 2026 तक धारा 143(2) के तहत वैध रूप से नोटिस प्राप्त नहीं होता है, तो सामान्य परिस्थितियों में उस रिटर्न की नियमित स्क्रूटनी प्रक्रिया आगे शुरू नहीं की जा सकेगी। हालांकि, सीए नितिन महाजन के अनुसार केवल विभाग द्वारा नोटिस तैयार कर देना पर्याप्त नहीं माना जाएगा। जरूरी यह है कि नोटिस निर्धारित समय सीमा के भीतर करदाता तक पहुंच भी जाए।

किन बातों का रखें ध्यान ?

- नोटिस 30 जून 2026 तक करदाता को प्राप्त होना चाहिए।
- नोटिस आमतौर पर आयकर ई-फाइलिंग पोर्टल पर उपलब्ध कराया जाता है।
- इसके अलावा रजिस्टर्ड ई-मेल आईडी और मोबाइल नंबर पर भी इसकी जानकारी भेजी जाती है।
- यदि धारा 143(1) के तहत पहले ही इंटिमेशन जारी हो चुका है, तब भी 30 जून तक मामला स्क्रूटनी के लिए चुना जा सकता है।

कैसे चुने जाते हैं स्क्रूटनी के मामले ?

- आयकर विभाग विभिन्न तकनीकी और जोखिम आधारित प्रणालियों के जरिए मामलों का चयन करता है। इनमें शामिल है
- CASS (कंप्यूटर असिस्टेड स्क्रूटनी सिस्टम) और अन्य रिस्क मैनेजमेंट सिस्टम
- AIS (Annual Information Statement) और TIS डेटा
- SFT रिपोर्टिंग
- GST डेटा
- TDS/TCS में अंतर
- विदेशी लेनदेन और बड़े वित्तीय ट्रांजैक्शन
- CBDT द्वारा तय किए गए जोखिम आधारित मानदंड

करदाताओं के लिए सलाह

विशेषज्ञों ने करदाताओं को सलाह दी है कि वे समय रहते अपने AIS, Form 26AS, अकाउंट बुक्स, GST रिटर्न (जहां लागू हो) और आयकर रिटर्न का मिलान कर लें। इसके साथ ही आयकर विभाग की ओर से आने वाले किसी भी नोटिस या सूचना का तय समय के भीतर जवाब देना जरूरी है। करदाताओं को नियमित रूप से अपना Income Tax e-Filing PortÔl, रजिस्टर्ड ई-मेल और मोबाइल नंबर भी चेक करते रहना चाहिए ताकि कोई जरूरी सूचना छूट न जाए।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 4

हरियाणा सीएम पहुंचे पंजाब, बोले- पंजाब सरकार ने कार्यक्रम रोकना चाहा, 2 दिन कोशिश की

पटियाला/यूटर्न/12 जून। हरियाणा के सीएम नायब सैनी पटियाला के राजपुरा में सैनी समाज के सम्मेलन में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने आप सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि सरकार ने प्रशासन के जरिए उनका कार्यक्रम रोकने की कोशिश की। पिछले दो दिनों से उनके कार्यक्रम को रोकने की कोशिश की जा रही थी। उन्होंने कहा कि साथियों में परिवार के बीच आया हूं। मुझे यह बात अच्छी नहीं लगी। मैंने मान साहब को कहा था कि यह काम न किया करो। एक दिन मैं सरदार शहीद ऊधम सिंह को पुष्प अर्पित करने सुनाम जाना था। जब मैं सुनाम गया तो वहां के एसएसपी का फोन मेरे स्टाफ को आया। मेरे को कहने लगे कि आप वहां पर न आएं। वहां पर कुछ नहीं

है। मैंने कहा कि कोई बात नहीं। मैंने तो शहीद ऊधम सिंह के स्थान पर जाना है। मैंने कोई और काम नहीं करना है। सीएम सैनी ने कहा कि आम आदमी पार्टी भारी बहुमत से सत्ता में आई थी, लेकिन आज पंजाब में कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब है। उद्योगपति उनसे मिलते हैं और कहते हैं कि वे हरियाणा में उद्योग लगाना चाहते हैं।

हरियाणा की योजनाएं करेंगे लागू

सीएम सैनी ने कहा कि अकेले राजपुरा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 75 करोड़ रुपये की योजनाओं की शुरूआत की है। उन्होंने यह भी कहा कि पंजाब सरकार बुजुर्गों को 1500 रुपए की पेंशन भी नहीं दे पा रही है, जबकि हरियाणा में अविवाहित लोगों को भी पेंशन दी जा रही है। सैनी ने कहा कि हरियाणा में भाजपा सरकार की जो योजनाएं चल रही हैं, उन्हें पंजाब में भाजपा सरकार बनने पर लागू किया जाएगा।

आईडीएफसी बैंक घोटाले में सीबीआई की बड़ी कार्रवाई, दो नई चार्जशीट दाखिल

हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी फंड गबन मामले में 6 बैंक अधिकारियों समेत 9 लोग आरोपी

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/12 जून। आईडीएफसी फर्स्ट बैंक में करोड़ों रुपये के कथित फंड गबन मामले में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच को आगे बढ़ाते हुए दो अलग-अलग मामलों में नई चार्जशीट दाखिल की हैं। हरियाणा सरकार और चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) से जुड़े इन मामलों में छह बैंक अधिकारियों और तीन निजी व्यक्तियों समेत कुल नौ लोगों को आरोपी बनाया गया है। सीबीआई ने हरियाणा सरकार के विभिन्न विभागों के फंड के कथित दुरुपयोग से जुड़े मामले में पंचकूला स्थित विशेष सीबीआई अदालत में चार्जशीट पेश की है। इस मामले में दो निजी व्यक्तियों को आरोपी बनाया गया है, जिन पर कथित तौर पर अपराध से अर्जित धन का लाभ उठाने का आरोप है।

अधिकारियों के अनुसार यह इस मामले में दाखिल की गई दूसरी चार्जशीट है। इससे पहले सीबीआई 15 आरोपियों और संस्थाओं के खिलाफ आरोप पत्र दाखिल कर चुकी है। इनमें तीन सरकारी कर्मचारी, छह बैंक अधिकारी, दो कंपनियां और चार निजी व्यक्ति शामिल थे।

657 करोड़ रुपये के नुकसान का दावा

सीबीआई के अनुसार जांच में सामने आया है कि हरियाणा सरकार से जुड़े मामले में करीब 504 करोड़ रुपये का वित्तीय नुकसान हुआ, जबकि चंडीगढ़ प्रशासन और उससे संबंधित संस्थाओं के मामले में लगभग 153 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है। दोनों मामलों को मिलाकर कथित वित्तीय अनियमितताओं का आंकड़ा 657 करोड़ रुपये तक पहुंचता है।

चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी मामले में पहली चार्जशीट

दूसरी ओर, चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड (सीएससीएल) से जुड़े मामले में सीबीआई ने चंडीगढ़ की विशेष अदालत में पहली चार्जशीट दाखिल की है। इस आरोप पत्र में सात लोगों को नामजद किया गया है, जिनमें पांच बैंक अधिकारी, सीएससीएल का एक अधिकारी और एक निजी व्यक्ति शामिल है। जांच एजेंसी का आरोप है कि संबंधित आरोपियों ने मिलीभगत कर सरकारी और सार्वजनिक संस्थाओं के धन के दुरुपयोग को अंजाम दिया, जिससे सरकारी खजाने को भारी वित्तीय नुकसान हुआ।

गंभीर धाराओं के तहत दर्ज हैं मामले

जांच एजेंसी ने दोनों मामलों में भारतीय दंड संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत आपराधिक साजिश, आपराधिक विश्वासघात, जालसाजी और धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। इसके अलावा भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धाराएं भी लागू की गई हैं। सीबीआई अधिकारियों का कहना है कि जांच के दौरान बैंकिंग लेनदेन, दस्तावेजों और फंड ट्रांसफर से जुड़े कई महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए गए हैं, जिनके आधार पर चार्जशीट तैयार की गई है।

राज्य एजेंसियों से सीबीआई को सौंपी गई थी जांच

हरियाणा सरकार के आठ विभागों से जुड़े मामले की जांच पहले राज्य सतर्कता एवं भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो कर रहा था, जिसे बाद में सीबीआई ने अपने हाथ में ले लिया। वहीं चंडीगढ़ स्मार्ट सिटी लिमिटेड और क्रेस्ट से जुड़े मामलों की जांच पहले आर्थिक अपराध थाना, चंडीगढ़ के पास थी, जिसे बाद में केंद्रीय एजेंसी को सौंप दिया गया।

और भी हो सकती हैं गिरफ्तारियां

सीबीआई ने स्पष्ट किया है कि मामले की जांच अभी जारी है और आगे भी नए तथ्य सामने आने की संभावना है। एजेंसी के अनुसार जांच के आधार पर आने वाले समय में अतिरिक्त चार्जशीट दाखिल की जा सकती हैं और अन्य संदिग्धों की भूमिका की भी जांच की जा रही है। सीबीआई ने कहा कि पूरे मामले की निष्पक्ष, गहन और समयबद्ध जांच की जा रही है तथा फंड गबन और भ्रष्टाचार के लिए जिम्मेदार सभी लोगों को कानून के दायरे में लाया जाएगा।

पंचकूला पुलिस ने भटके हुए 81 वर्षीय बुजुर्ग को सुरक्षित परिजनों से मिलवाया

पंचकूला/यूटर्न/12 जून। पंचकूला पुलिस ने मानवीय संवेदनशीलता का परिचय देते हुए भटके हुए 81 वर्षीय बुजुर्ग को सुरक्षित उनके परिजनों तक पहुंचाकर सराहनीय कार्य किया है। पुलिस के अनुसार 11 जून की रात सेक्टर-15 क्षेत्र में गश्त के दौरान पीएसआई अजय कुमार को एक बुजुर्ग व्यक्ति संदिग्ध एवं लावारिस अवस्था में घूमते हुए मिले। पूछताछ में पता चला कि बुजुर्ग महेंद्रगढ़ जिले के निवासी हैं और मानसिक रूप से परेशान होने के साथ-साथ सुनने और बोलने में भी असमर्थ हैं।

मामले की जानकारी मिलते ही थाना सेक्टर-14 के प्रभारी इंस्पेक्टर महेंद्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम ने बुजुर्ग की सहायता की और उनके पास मौजूद दस्तावेजों की जांच शुरू की। दस्तावेजों से मिली जानकारी के आधार पर पुलिस ने उनके पौत्र से संपर्क स्थापित किया। बातचीत में पता चला कि बुजुर्ग किसी पुराने हाईकोर्ट मामले के सिलसिले में चंडीगढ़ आए थे और रास्ता भटक गए थे। परिजनों से संपर्क होने के बाद पुलिस ने बुजुर्ग को सुरक्षित रूप से थाना सेक्टर-14 में ठहराया और उनकी देखभाल की, ताकि उन्हें किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े। शुक्रवार को बुजुर्ग के भतीजे थाना पहुंचे। पुलिस ने उनके पहचान संबंधी दस्तावेजों का सत्यापन किया। सभी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद बुजुर्ग को उनके भतीजे के सुपुर्द कर दिया गया। बुजुर्ग ने भी अपने भतीजे की पहचान की पुष्टि की। अपने परिजन को सुरक्षित वापस पाकर परिवार ने पंचकूला पुलिस का आभार व्यक्त किया और पुलिस की संवेदनशील कार्यशैली की सराहना की। डीसीपी सृष्टि गुप्ता ने कहा कि पंचकूला पुलिस न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है, बल्कि बुजुर्गों, असहाय और जरूरतमंद नागरिकों की सहायता के लिए भी हमेशा तत्पर रहती है।

पंचकूला पुलिस ने 52 ग्राम हेरोइन के साथ आरोपी गिरफ्तार, तीन दिन के रिमांड पर भेजा

पंचकूला/यूटर्न/12 जून। नशामुक्त हरियाणा अभियान के तहत एंटी नारकोटिक्स सेल पंचकूला ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 52 ग्राम हेरोइन के साथ एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 24 वर्षीय बंटी निवासी अंब साहिब कॉलोनी, सेक्टर-65, गांव जगतपुरा, जिला मोहाली (पंजाब) के रूप में हुई है। आरोपी के खिलाफ थाना मनसा देवी में एनडीपीएस एक्ट की धारा 21 के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार एंटी नारकोटिक्स सेल के इंचार्ज प्रवीण कुमार के नेतृत्व में एसआई यादविन्द्र सिंह और उनकी टीम को गुप्त सूचना मिली थी कि आरोपी बंटी पंचकूला क्षेत्र में हेरोइन की सप्लाई करता है और मनसा देवी स्थित भारत गैस एजेंसी के पास किसी व्यक्ति को नशीला पदार्थ देने आने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने मौके पर निगरानी शुरू की और संदिग्ध युवक को काबू कर लिया। राजपत्रित अधिकारी की मौजूदगी में आरोपी की तलाशी लेने पर उसके कब्जे से एक पारदर्शी पॉलीथीन में रखा 52 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। इसके अलावा आरोपी के पास से एक एप्पल मोबाइल फोन, घड़ी, चांदी की चेन और 1000 रुपये नकद भी बरामद किए गए, जिन्हें पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 5

यूटर्न टाइम
The Good, Bad and Ugly of India

पेज 12 दिल्ली में सक्रिय दिखे राज्यपाल कटारिया...

हरियाणा की गुरुग्राम में भारत का सबसे ऊंचा टावर बनाने की योजना, ऊंचाई लगभग 600 मीटर होगी

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। हरियाणा का महत्वाकांक्षी 'ग्लोबल सिटी' प्रोजेक्ट भारत की स्काईलाइन (शहर के क्षितिज) को बदल सकता है। इसके तहत गुरुग्राम में एक बहुत ऊंचा (सुपरटॉल) मिक्स्ड-यूज टावर बनाया जाएगा, जो दुनिया की सबसे ऊंची इमारतों में शामिल होगा। हरियाणा राज्य औद्योगिक और बुनियादी ढांचा विकास निगम (एचएसआईआईडीसी) ने द्वारका एक्सप्रेसवे के किनारे प्रस्तावित 1,000 एकड़ की 'ग्लोबल सिटी' में 6.7 एकड़ की जगह चुनी है। यहां एक गगनचुंबी इमारत बनाने की योजना है, जिसकी ऊंचाई 620 से 700 मीटर के बीच हो सकती है। अगर यह बन जाता है, तो यह टावर काफी बड़े अंतर से भारत की सबसे ऊंची इमारत बन जाएगा। हालांकि, यह प्रस्तावित इमारत दुबई के मशहूर बुर्ज खलीफा (जो 828 मीटर ऊंचा है और अभी दुनिया की सबसे ऊंची पूरी हो चुकी इमारत है) से छोटी होगी, लेकिन यह गुरुग्राम को उन चुनिंदा शहरों की सूची में शामिल कर देगी जहां 600 मीटर से ऊंची गगनचुंबी इमारतें हैं।

मिक्स्ड-यूज़ डेवलपमेंट का प्लान

इस टावर को मिक्स्ड-यूज डेवलपमेंट के तौर पर प्लान किया गया है। इसमें प्रीमियम ऑफिस स्पेस, लग्जरी घर, एक होटल, रिटेल आउटलेट और एक पब्लिक ऑब्जर्वेशन डेक होगा, जहां से नेशनल कैपिटल रीजन का शानदार नजारा दिखेगा। हरियाणा सरकार ने इस प्रोजेक्ट के लिए जगह तय कर दी है, हालांकि इसकी विस्तृत जानकारी और अंतिम योजना की घोषणा अभी बाकी है।

ग्लोबल सिटी' प्रोजेक्ट का हिस्सा है इमारत

यह प्रस्तावित गगनचुंबी इमारत राज्य सरकार के प्रमुख 'ग्लोबल सिटी' प्रोजेक्ट का हिस्सा है, जिसे एचएसआईआईडीसी विकसित कर रहा है। द्वारका एक्सप्रेसवे के पास लगभग 1,000 एकड़ में फैला यह इंटीग्रेटेड अर्बन हब बिजनेस, कमर्शियल, रेजिडेंशियल और इंस्टीट्यूशनल गतिविधियों का केंद्र होगा। इसे मल्टीनेशनल कंपनियों, फाइनेंशियल संस्थानों और टेक्नोलॉजी फर्मों को आकर्षित करने के लिए डिजाइन किया गया है।

एनसीआर की इमारतें होगी बौनी

अगर यह प्रोजेक्ट पूरा हो जाता है, तो यह टावर एनसीआर में मौजूद मौजूदा ऊंची इमारतों को बौना साबित कर देगा। तुलना के लिए देखें तो नोएडा में सुपरनोवा की ऊंचाई 300 मीटर है, गुरुग्राम में ट्रंप टावर्स 198.84 मीटर ऊंचे हैं, दिल्ली में लीला स्काई विला 190 मीटर ऊंचे हैं और गुरुग्राम में रहेजा रेवांता की ऊंचाई 199.7 मीटर है। फिलहाल भारत की सबसे ऊंची इमारत मुंबई में 320 मीटर ऊंचा 'पैलेस रॉयल' है।

प्रोजेक्ट का मास्टर प्लान तैयार

अधिकारियों ने बताया कि हरियाणा सरकार ने प्रोजेक्ट का मास्टर प्लान तैयार करते समय पिछले दो-तीन वर्षों में एनसीआर, बेंगलुरु और मुंबई के प्रमुख डेवलपर्स से सलाह-मशविरा किया है। हालांकि, यह प्रस्ताव अभी भी प्लानिंग और 'रिक्वेस्ट-फॉर-प्रपोजल' (आरएफपी) के चरण में ही है; इसके लिए अभी कंसल्टेंट्स की नियुक्ति होनी बाकी है और बोली लगाने की प्रक्रिया भी शुरू नहीं हुई है।

सोनू नोल्टा हत्याकांड के बाद पंचकूला पुलिस का बड़ा एक्शन, गैंग से जुड़े 8 लोगों को 6 माह के लिए किया पाबंद

अजीत झा

पंचकूला/यूटर्न/12 जून। चर्चित सोनू नोल्टा हत्याकांड के बाद पंचकूला पुलिस ने कानून व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाते हुए गैंग से जुड़े आठ व्यक्तियों के खिलाफ बड़ी निवारक कार्रवाई की है। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) की धाराओं 126/170 एवं 135(3) के तहत कार्रवाई करते हुए सभी आठ व्यक्तियों को आगामी छह माह तक शांति एवं सदाचार बनाए रखने के लिए पाबंद कर दिया है। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की गैंगवार, बदले की कार्रवाई या शांति भंग की आशंका को रोकने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) सृष्टि गुप्ता के निदेर्शानुसार थाना पिंजौर पुलिस ने यह कार्रवाई की। पुलिस के अनुसार सोनू नोल्टा हत्याकांड के बाद पिंजौर, कालका और आसपास के क्षेत्रों में कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए विशेष निगरानी रखी जा रही है। खुफिया सूचनाओं, आपराधिक रिकॉर्ड और परिस्थितियों के आकलन के आधार पर ऐसे व्यक्तियों की पहचान की गई जिनकी गतिविधियों से शांति व्यवस्था प्रभावित होने की आशंका थी। एसीपी सुरेंद्र सिंह और थाना पिंजौर प्रभारी इंस्पेक्टर राजेश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए सभी संबंधित व्यक्तियों को नियमानुसार कार्यपालक मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश किया। सुनवाई के बाद उन्हें छह माह तक किसी भी प्रकार की गैरकानूनी गतिविधि में शामिल न होने और शांति बनाए रखने के लिए पाबंद किया गया। पुलिस अधिकारियों के अनुसार इन व्यक्तियों के खिलाफ पहले भी विभिन्न आपराधिक मामले दर्ज हैं और इन्हें कानून व्यवस्था के लिए संभावित खतरे के रूप में देखा जा रहा था।

पंजाब में जमीन संबंधी सेवाओं का डिजिटलीकरण, ईजी जमाबंदी पोर्टल से घर बैठे मिलेंगे रिकॉर्ड

स्पीकर कुलतार सिंह संधवां बोले- पारदर्शिता बढ़ेगी, भ्रष्टाचार और बिचौलियों की भूमिका होगी खत्म

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। पंजाब सरकार ने भूमि संबंधी सेवाओं को आम लोगों के लिए अधिक सरल, पारदर्शी और सुलभ बनाने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। राज्य सरकार के ईजी जमाबंदी पोर्टल के माध्यम से अब नागरिक घर बैठे अपनी जमीन से जुड़े दस्तावेज और अन्य राजस्व सेवाएं प्राप्त कर सकेंगे।

पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने कहा कि इस डिजिटल पहल का उद्देश्य लोगों को सरकारी दफ्तरों के चक्कर लगाने से राहत देना और राजस्व विभाग में पारदर्शिता को बढ़ावा देना है। संधवां ने कहा कि राज्य सरकार पहले ही ईजी रजिस्ट्री और ईजी जमाबंदी जैसी ऑनलाइन सेवाएं शुरू कर चुकी है। इन पहलों के कारण लोगों को अब जमीन संबंधी कार्यों के लिए तहसीलों और पटवारखानों के बार-बार चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। साथ ही बिचौलियों और दलालों की भूमिका भी काफी हद तक समाप्त होगी। उन्होंने शिक्षित युवाओं, सरकारी कर्मचारियों, पंचायत प्रतिनिधियों, सरपंचों और अन्य जनप्रतिनिधियों से अपील की कि वे लोगों को इन सेवाओं के प्रति जागरूक करें और उन्हें बिना किसी सिफारिश या अतिरिक्त खर्च के ऑनलाइन सुविधाओं का लाभ उठाने के लिए प्रेरित करें।

40 लाख लोगों को होगा सीधा लाभ

स्पीकर ने बताया कि अब तक लाखों लोगों को अपनी जमीन की फर्द या प्रमाणित रिकॉर्ड प्राप्त करने के लिए पटवारखानों और सेवा केंद्रों के चक्कर लगाने पड़ते थे। इस दौरान उन्हें लंबी कतारों, प्रशासनिक देरी और कई मामलों में भ्रष्टाचार जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ता था। ईजी जमाबंदी पोर्टल के शुरू होने के बाद भूमि मालिक अब अपनी जमाबंदी की कानूनी रूप से मान्य और प्रमाणित प्रति सीधे ऑनलाइन डाउनलोड कर सकेंगे। इससे समय और धन दोनों की बचत होगी।

भ्रष्टाचार मुक्त सेवाओं पर जोर

संधवां ने कहा कि पंजाब सरकार भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति पर काम कर रही है। डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए सेवाओं को सीधे लोगों तक पहुंचाने से राजस्व विभाग में पारदर्शिता बढ़ेगी और रिश्वतखोरी की शिकायतों में कमी आएगी। उन्होंने बताया कि नागरिक ईजी जमाबंदी पोर्टल, राज्य सरकार की टेली हेल्पलाइन 1076 और नजदीकी सेवा केंद्रों के माध्यम से इन सुविधाओं का लाभ उठा सकते हैं। उनका कहना था कि सरकार का लक्ष्य प्रशासनिक सेवाओं को हर नागरिक के दरवाजे तक पहुंचाना और सुशासन को मजबूत करना है।

पांच प्रमुख सेवाएं ऑनलाइन उपलब्ध

राज्य सरकार ने भूमि संबंधी पांच महत्वपूर्ण सेवाओं को ऑनलाइन प्लेटफॉर्म से जोड़ दिया है। इनमें व्हाट्सऐप के माध्यम से प्रमाणित जमाबंदी की होम डिलीवरी, ऑनलाइन इंतकाल, भूमि लेन-देन की रपट प्रविष्टियां, फर्द बदर के जरिए रिकॉर्ड में वर्तनी या लिपिकीय त्रुटियों का सुधार तथा लैंड अलर्ट सब्सक्रिप्शन सेवा शामिल हैं। विशेष रूप से लैंड अलर्ट सुविधा के तहत भूमि रिकॉर्ड में किसी भी प्रकार के बदलाव या छेड़छाड़ की जानकारी संबंधित भूमि मालिक या एनआरआई को व्हाट्सऐप और ईमेल के माध्यम से तत्काल मिल जाएगी। इससे जमीन संबंधी धोखाधड़ी और अवैध बदलावों पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 6

स्पा सेंटर की आड़ में अनैतिक गतिविधियों का आरोप, संचालिका व मालिक पर मामला दर्ज

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। जीरकपुर के वीआईपी रोड स्थित हॉलीवुड प्लाजा में संचालित एक स्पा सेंटर में कथित रूप से अनैतिक देह व्यापार संचालित किए जाने के आरोप में पुलिस ने संचालिका एवं मालिक के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। पुलिस ने यह कार्रवाई गुप्त सूचना के आधार पर की। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना जीरकपुर के प्रभारी निरीक्षक सतिंदर सिंह पुलिस दल के साथ क्षेत्र में गश्त एवं संदिग्ध व्यक्तियों तथा वाहनों की जांच कर रहे थे। इसी दौरान एक मुखबिर ने सूचना दी कि हॉलीवुड प्लाजा की प्रथम मंजिल पर स्थित स्फॉरएवर स्पा एंड सैलूनस्र में स्पा सेवाओं की आड़ में अनैतिक गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। सूचना में यह भी कहा गया कि युवतियों को रोजगार दिलाने का प्रलोभन देकर वहां लाया जाता है तथा उनसे देह व्यापार कराया जाता है।

चंडीगढ़ की विरासत को जीने का मौका: पियरे जेनरे के ऐतिहासिक घर में अब आम लोग भी बिता सकते हैं रात

सुखना लेक के सामने स्थित हेरिटेज हाउस बना आकर्षण का केंद्र, देश-विदेश से पहुंच रहे पर्यटक

चंडीगढ़। चंडीगढ़ की पहचान केवल एक सुनियोजित शहर के रूप में नहीं, बल्कि विश्व धरोहर वास्तुकला के अनूठे उदाहरण के रूप में भी की जाती है। शहर की इसी विरासत को करीब से महसूस करने का अवसर अब आम लोगों को भी मिल रहा है। सेक्टर-5 स्थित ऐतिहासिक हेरिटेज हाउस नंबर-57, जहां प्रसिद्ध वास्तुकार पियरे जेनरे ने अपने जीवन के 11 वर्ष बिताए थे, आज म्यूजियम-कम-गेस्ट हाउस के रूप में पर्यटकों के लिए खुला है। सुखना झील के सामने स्थित यह भवन केवल एक आवास नहीं, बल्कि चंडीगढ़ के निर्माण इतिहास का जीवंत दस्तावेज माना जाता है। यहीं बैठकर पियरे जेनरे ने शहर की कई महत्वपूर्ण इमारतों, सार्वजनिक स्थलों और विश्वप्रसिद्ध फर्नीचर डिजाइनों पर काम किया था। अब पर्यटक उसी वातावरण में समय बिताकर चंडीगढ़ की स्थापत्य विरासत को नजदीक से अनुभव कर सकते हैं।

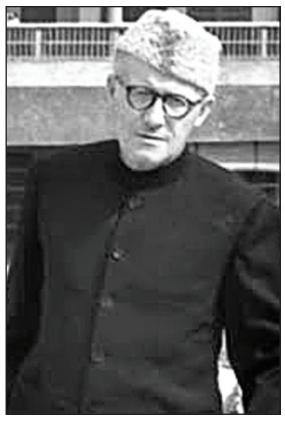

जानिए कितना है ठहरने का शुल्क... प्रशासन द्वारा विभिन्न श्रेणियों के लिए अलग-अलग शुल्क निर्धारित किए गए हैं। सरकारी अतिथियों और अधिकारियों के लिए एक रात का शुल्क एक हजार रुपये रखा गया है। रिसर्च स्कॉलर, आर्किटेक्ट और वास्तुकला विषय पर अध्ययन कर रहे शोधार्थियों को 1500 रुपये शुल्क देना होता है।

11 वर्षों तक रहा पियरे जेनरे का निवास

पियरे जेनरे, जो विश्वविख्यात वास्तुकार ली कार्बूजिए के कजिन और सहयोगी थे, दिसंबर 1954 से अगस्त 1965 तक इस घर में रहे। चंडीगढ़ के निर्माण और विकास में उनका योगदान बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। शहर और सुखना झील से उनके विशेष लगाव का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि उन्होंने अपनी अंतिम इच्छा में अपनी अस्थियों को सुखना झील में विसर्जित किए जाने की बात कही थी। आज यह भवन उनकी स्मृतियों, फर्नीचर डिजाइनों, वास्तुशिल्पीय दृष्टिकोण और चंडीगढ़ के शुरूआती विकास से जुड़ी कई ऐतिहासिक वस्तुओं को संजोए हुए है।

देश-विदेश के पर्यटकों की पसंद

हेरिटेज हाउस अब वास्तुकला प्रेमियों, शोधार्थियों और पर्यटकों के बीच विशेष आकर्षण का केंद्र बन चुका है। फ्रांस, स्पेन, अमेरिका, इटली सहित कई देशों से आने वाले पर्यटक यहां पहुंचकर चंडीगढ़ की विरासत को समझने का प्रयास करते हैं। इसके अलावा देश के विभिन्न राज्यों और ट्राइसिटी क्षेत्र से भी बड़ी संख्या में लोग यहां ठहरने और भ्रमण के लिए आते हैं। म्यूजियम के इंचार्ज प्रभजोत कलेर के अनुसार हेरिटेज हाउस में केवल तीन कमरे उपलब्ध हैं, लेकिन इसकी लोकप्रियता इतनी अधिक है कि अधिकांश समय ये पहले से बुक रहते हैं। यहां ठहरने वाले मेहमानों को पर्यटन विभाग की ओर से कॉम्प्लिमेंट्री नाश्ता भी उपलब्ध कराया जाता है।

कानूनी बात - निशांत प्रभाकर के साथ

क्या तलाक के बाद भी बच्चे की पढ़ाई का खर्च देना पड़ता है?

निशांत प्रभाकर, एडवोकेट

तलाक होने के बाद पति-पत्नी का वैवाहिक संबंध समाप्त हो जाता है, लेकिन माता-पिता के रूप में उनकी जिम्मेदारियां समाप्त नहीं होतीं। सबसे महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों में से एक है बच्चे की शिक्षा और पालन-पोषण।

अक्सर यह गलतफहमी होती है कि Child Custody जिस अभिभावक को मिल गई, अब बच्चे का पूरा खर्च भी वही उठाएगा। कानून की दृष्टि से यह हमेशा सही नहीं है।

अदालत यह देखती है कि बच्चे की पढ़ाई, स्वास्थ्य, दैनिक जरूरतें और भविष्य की आवश्यकताओं के लिए कितना खर्च आवश्यक है। इसके बाद माता-पिता की आय और आर्थिक स्थिति को ध्यान में रखते हुए जिम्मेदारी तय की जाती है।

यदि बच्चा माँ के साथ रह रहा है, तो इसका अर्थ यह नहीं कि पिता की जिम्मेदारी समाप्त हो गई। इसी प्रकार, यदि बच्चा पिता के साथ रह रहा है, तो विशेष परिस्थितियों में माँ की आर्थिक भूमिका भी विचारणीय हो सकती है। आज के समय में स्कूल फीस, कोचिंग, किताबें, मेडिकल खर्च और अन्य शैक्षणिक आवश्यकताएं काफी बढ़ चुकी हैं। इसलिए अदालतें Child Welfare को सर्वोच्च प्राथमिकता देती हैं। कई मामलों में ट्रंल्लईल्लंल्लू के अतिरिक्त भी शिक्षा संबंधी विशेष खर्च (educational expenses) देने के आदेश दिए जा सकते हैं।

कई माता-पिता आपसी विवाद में बच्चे के हित को पीछे छोड़ देते हैं, जबकि कानून का मुख्य उद्देश्य बच्चे का सुरक्षित और संतुलित विकास सुनिश्चित करना है।

निष्कर्ष : तलाक के बाद पति-पत्नी अलग हो सकते हैं, लेकिन बच्चे के प्रति उनकी जिम्मेदारी बनी रहती है। बच्चे की पढ़ाई और आवश्यक खर्चों की व्यवस्था करना दोनों माता-पिता का महत्वपूर्ण दायित्व है।

रूह से रूबरू

चारू नागपाल

उम्र बढ़ने के बाद लोग अपने आप को अकेला क्यों समझने लगते हैं?

उम्र बढ़ने के साथ जीवन में कई बदलाव आते हैं। यही बदलाव अक्सर लोगों को अकेलापन महसूस करवाते हैं। जब व्यक्ति युवा होता है, तब उसके पास परिवार, मित्र, नौकरी और अनेक सामाजिक गतिविधियाँ होती हैं। लेकिन जैसे-जैसे उम्र बढ़ती है, बच्चे अपनी पढ़ाई, नौकरी या विवाह के कारण दूर चले जाते हैं। सेवानिवृत्ति के बाद कार्यस्थल के साथी और दैनिक व्यस्तताएँ ताएँ भी कम हो जाती हैं। बढ़ती उम्र में स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ भी व्यक्ति की सक्रियता को प्रभावित करती हैं। कई बार लोग पहले की तरह बाहर नहीं जा पाते और नए मित्र भी नहीं बना पाते। जीवनसाथी या प्रियजनों के बिछड़ जाने से भी अकेलेपन की भावना बढ़ जाती है। इसके अतिरिक्त, नई तकनीकों और बदलती जीवनशैली के साथ तालमेल बैठाना कुछ लोगों के लिए कठिन हो सकता है, जिससे वे स्वयं को समाज से अलग महसूस करने लगते हैं। हालाँकि अकेलापन उम्र का अनिवार्य हिस्सा नहीं है। यदि बुजुर्ग अपने परिवार और मित्रों से जुड़े रहें, सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लें, अपने शौक विकसित करें और सकारात्मक सोच बनाए रखें, तो वे खुशहाल और सक्रिय जीवन जी सकते हैं। परिवार के सदस्यों का प्रेम, सम्मान और समय भी उनके अकेलेपन को काफी हद तक कम कर सकता है।

चंडीगढ़ प्रशासन ने सभी 97 शराब ठेकों की सफल नीलामी कर रचा इतिहास; 563.78 करोड़ की रिकॉर्ड बोली प्राप्त

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। चंडीगढ़ प्रशासन ने आबकारी नीति वर्ष 2026-27 के लिए सभी 97 मदिरा विक्रय ठेकों की सफलतापूर्वक नीलामी कर एक ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल की है। पिछले एक दशक में पहली बार यह उपलब्धि प्राप्त की गई है।

नीलामी प्रक्रिया में बोलीदाताओं की ओर से अभूतपूर्व उत्साह देखने को मिला और ₹453.05 करोड़ के आरक्षित मूल्य के मुकाबले ₹563.78 करोड़ की बोलियां प्राप्त हुईं। यह आरक्षित मूल्य से ₹110.73 करोड़ अथवा लगभग 24.44 प्रतिशत अधिक है। यह उपलब्धि चंडीगढ़ प्रशासन की पारदर्शी एवं प्रगतिशील आबकारी नीतियों के प्रति हितधारकों और व्यापार जगत के मजबूत विश्वास को दर्शाती है।

पारिवारिक कारोबार से मिली प्रेरणा, डेलॉइट में बिजनेस एनालिस्ट बनीं जसलीन सिंह कैरों

लुधियाना/कनाडा/यूटर्न/12 जून। कारोबारी गुरमीत सिंह कैरों की बेटी जसलीन सिंह कैरों* ने अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा के दम पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सफलता हासिल करते हुए डेलॉइट की साइबर टीम (टेक्नोलॉजी एंड ट्रांसफॉर्मेशन) में बिजनेस एनालिस्ट के रूप में अपनी पहचान बनाई है। बचपन से ही पारिवारिक कारोबार के माहौल में पली-बढ़ीं जसलीन को व्यापार और प्रबंधन की समझ अपने पिता से मिली। गुरमीत सिंह करियों अक्सर उन्हें व्यावसायिक चचाओं में शामिल करते थे, जिससे उनके मन में यह जानने की जिज्ञासा पैदा हुई कि व्यवसायिक फैसले कैसे लिए जाते हैं और बाजार की परिस्थितियां कारोबार को किस प्रकार प्रभावित करती हैं। इसी प्रेरणा ने उन्हें बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (BBA) की पढ़ाई करने के लिए प्रोत्साहित किया। जसलीन इस जून में अपनी स्नातक की डिग्री प्राप्त करने जा रही हैं। जसलीन का छात्र जीवन केवल पढ़ाई तक सीमित नहीं रहा। उन्होंने तीन अंतरराष्ट्रीय केस प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया, दो को-ऑप टर्म पूरे किए और 2025 की पीक (PEAK) केस प्रतियोगिता में प्रथम वर्ष की टीम को कोचिंग भी दी। इन अनुभवों ने उन्हें डेलॉइट जैसी वैश्विक कंपनी में स्थान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। फाइनेंस और मैनेजमेंट इंफॉर्मेशन सिस्टम्स (MIS) में विशेषज्ञता रखने वाली जसलीन ने TEDxSFU, यंग वूमेन इन बिजनेस, रत्नम बीडी अब्रॉड नेटवर्क और LAUNCH जैसी गतिविधियों में भी सक्रिय योगदान दिया।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 7

क्लीन पंजाब मिशन के तहत लुधियाना पहुंचे मंत्री बैंस, पुलिस की संघर्ष कमेटी सदस्यों के साथ हुई धक्का-मुक्की

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। पंजाब के लोकल बॉडी मंत्री हरजोत सिंह बैंस शुक्रवार को क्लीन पंजाब मिशन का जायजा लेने के लिए लुधियाना पहुंचे। यहां उन्होंने मेयर प्रिंसिपल इंद्रजीत कौर, सीनियर डिप्टी मेयर राकेश पराशर और निगम अफसरों के साथ मीटिंग की। इस दौरान संघर्ष कमेटी के सदस्य और भाजपा नेता मंत्री बैंस को मांगपत्र देने के लिए पहुंचे। बैठक खत्म होने के बाद जब मंत्री कार्यालय से बाहर निकले, तो भाजपा नेता विक्की सहोता पुलिस का घेरा तोड़कर उनके पीछे दौड़ पड़े और नारेबाजी की।

उनके साथ संघर्ष कमेटी का एक अन्य सदस्य भी था। हालांकि, मंत्री तक पहुंचने से पहले ही पुलिस ने दोनों को पकड़ लिया। विक्की सहोता मंत्री से मिलने की कोशिश करते रहे, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे नहीं जाने दिया। मंत्री हरजोत बैंस उनसे मिले बिना कार में बैठकर रवाना हो गए। इसके बाद विक्की सहोता और उनके साथियों ने मेयर इंद्रजीत कौर को घेर लिया। उनका कहना था कि वे कर्मचारियों की मांगों को लेकर शांतिपूर्ण तरीके से मंत्री से मिलने आए थे।

पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की

संघर्ष कमेटी के सदस्य कर्मचारियों की परेशानियों से संबंधित मांगपत्र लेकर नगर निगम जोन-ए पहुंचे। पुलिस ने संघर्ष कमेटी के सदस्यों को बाहर ही रोक दिया। इस दौरान पुलिस व संघर्ष कमेटी के सदस्यों में धक्का-मुक्की हुई। कमेटी ने पंजाब सरकार व निकाय मंत्री के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई।

चंडीगढ़ के सभी सरकारी अस्पताल होंगे पेपरलेस, स्वास्थ्य सचिव ने दिए डिजिटल हेल्थ सिस्टम मजबूत करने के निर्देश

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। चंडीगढ़ प्रशासन अब स्वास्थ्य सेवाओं को पूरी तरह डिजिटल और अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ा रहा है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के तहत आयोजित राज्य स्वास्थ्य समिति की कार्यकारी समिति की बैठक में स्वास्थ्य सचिव मनदीप सिंह बराड़ ने शहर के सभी सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों को चरणबद्ध तरीके से पेपरलेस बनाने और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करने के निर्देश दिए। शुक्रवार को आयोजित बैठक में विभिन्न राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की प्रगति, स्वास्थ्य संस्थानों की कार्यप्रणाली और स्वास्थ्य अवसंरचना से जुड़े महत्वपूर्ण मुद्दों की समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सचिव ने अस्पताल प्रबंधन सूचना प्रणाली (एचएमआईएस) के तहत एनआईसी द्वारा विकसित नेक्स्टजेन ई-हॉस्पिटल प्रणाली को और अधिक उपयोगकर्ता-अनुकूल और प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को आईटी अवसंरचना से जुड़ी कमियों को प्राथमिकता के आधार पर दूर करने के निर्देश भी दिए। बैठक के दौरान पीजीआईएमईआर, जीएमसीएच-32, जीएमएसएच-16, सब-डिविजनल अस्पताल मनीमाजरा, शहरी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र सेक्टर-22 और सेक्टर-45 तथा ईएसआई अस्पताल रामदरबार में पिछले वित्तीय वर्ष के दौरान हुई सामान्य और सिजेरियन डिलीवरी के आंकड़ों की विस्तृत समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सचिव ने निर्देश दिए कि चंडीगढ़ से बाहर के मरीजों और लाभार्थियों के आंकड़ों का जिला तथा राज्य स्तर पर विश्लेषण किया जाए ताकि यह पता लगाया जा सके कि किन क्षेत्रों से अधिक मरीज रेफर होकर चंडीगढ़ आ रहे हैं। इससे संबंधित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के साथ बेहतर समन्वय स्थापित करने में मदद मिलेगी।

बैठक में प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हेल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (पीएम-एबीएचआईएम) के तहत स्थापित किए जा रहे चार शहरी आयुष्मान आरोग्य मंदिरों के निर्माण और विकास कार्यों की भी समीक्षा की गई। स्वास्थ्य सचिव ने संबंधित विभागों को लंबित परियोजनाओं में तेजी लाने और उपलब्ध वित्तीय संसाधनों का समयबद्ध उपयोग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य संस्थानों में सुरक्षा मानकों को लेकर भी गंभीरता दिखाई गई। बैठक में अस्पतालों के लिए अग्नि सुरक्षा अनापत्ति प्रमाणपत्र (फायर एनओसी) की स्थिति और विभिन्न स्वास्थ्य संस्थानों में आईएसओ प्रमाणन की संभावनाओं पर चर्चा की गई। अधिकारियों को इस संबंध में 15 दिनों के भीतर विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए।

सराभा गौशाला में पीएयू विशेषज्ञों का दौरा, वैज्ञानिक पशुपालन पर दिया जोर

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। गांव सराभा स्थित श्री रामा नंदी गौशाला में पंजाब कृषि विश्वविद्यालय (पीएयू) के विशेषज्ञों ने विशेष दौरा कर गौशाला में चल रही गतिविधियों का निरीक्षण किया और वैज्ञानिक पशुपालन को लेकर महत्वपूर्ण सुझाव दिए। इस दौरान विशेषज्ञों ने गौशाला में रखी गई साहीवाल नस्ल की गायों के स्वास्थ्य, रख-रखाव और दूध उत्पादन संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

दौरे में पीएयू के डायरेक्टर कम प्रिंसिपल एग्रोनोमिस्ट डॉ. एस. एस. वालिया तथा डॉ. अमनदीप सिंह सिद्धू (स्कूल ऑफ ऑर्गेनिक एंड नेचुरल फार्मिंग) शामिल रहे। उन्होंने गौशाला प्रबंधन और कर्मचारियों से बातचीत करते हुए बताया कि पशुओं की बेहतर सेहत और दूध उत्पादन के लिए संतुलित आहार, स्वच्छ वातावरण, नियमित स्वास्थ्य जांच और वैज्ञानिक पद्धतियों को अपनाना जरूरी है।

विशेषज्ञों ने कर्मचारियों को पशु पोषण, रोगों की रोकथाम और आधुनिक पशुपालन तकनीकों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तरीके अपनाकर पशुओं की उत्पादकता बढ़ाई जा सकती है और उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ रखा जा सकता है।

पीएयू टीम ने गौशाला में साहीवाल नस्ल की गायों के बेहतर रख-रखाव की सराहना करते हुए कहा कि यहां पशुओं की देखभाल व्यवस्थित और समर्पित तरीके से की जा रही है।

साथ ही भविष्य में गौशाला को और बेहतर बनाने के लिए अपने सुझाव भी साझा किए और हर संभव तकनीकी सहयोग देने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर श्री रामा नंदी गौशाला से जुड़े श्री राजेंद्र शर्मा ने बताया कि गौशाला का उद्देश्य केवल गौसेवा तक सीमित नहीं है, बल्कि इसे आत्मनिर्भर बनाकर समाज सेवा और शिक्षा से भी जोड़ना है। उन्होंने कहा कि भविष्य में गौशाला से होने वाली आय को नोबल फाउंडेशन द्वारा संचालित सामाजिक और शैक्षणिक गतिविधियों में लगाया जाएगा।

महामंत्र जाप महोत्सव अंतिम चरण में, मंदिर में 27वें दिन भी गूंजा हरिनाम संकीर्तन

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। श्री सिद्ध पीठ श्री दंडी स्वामी मंदिर में अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) के पावन अवसर पर आयोजित 30 दिवसीय महामंत्र जाप महोत्सव अपने अंतिम चरण में पहुंचते हुए 27वें दिन में प्रवेश कर गया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता पंडित राज कुमार शर्मा कर रहे हैं। इस अवसर पर श्री अतुल कृष्ण गोस्वामी सेवा संस्थान एवं गोपाल क्लब के सोनू अरोड़ा, सीताराम अरोड़ा, हनी पाहवा, तरुण गोयल, सतीश अग्रवाल, ललित शर्मा तथा सोमनाथ (बबू) मल्होत्रा ने सामूहिक रूप से ह्लहरे कृष्ण हरे कृष्ण, कृष्ण कृष्ण हरे हरे, हरे राम हरे राम, राम राम हरे हरेह्व महामंत्र का जाप किया। श्रद्धालुओं ने पूरे भक्तिभाव और उत्साह के साथ संकीर्तन में भाग लिया, जिससे मंदिर परिसर भक्तिरस में सराबोर हो उठा। पंडित राज कुमार शर्मा ने कहा कि अधिक मास के दौरान चल रहा यह महामंत्र जाप अब समापन की ओर अग्रसर है। उन्होंने बताया कि मंदिर में आयोजित 30 दिवसीय महामंत्र जाप महोत्सव का विश्राम एवं पूर्णाहुति समारोह 15 जून को श्रद्धा, भक्ति और वैदिक विधि-विधान के साथ संपन्न होगा। इस अवसर पर विशेष धार्मिक आयोजन भी किए जाएंगे।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 8

सेक्टर-15ए में सीवरेज कार्य बना मुसीबत, 20 से अधिक परिवारों का जनजीवन प्रभावित, शिकायतों के बावजूद नहीं हुई कार्रवाई

प्रशासन और नगर निगम पर अनदेखी के आरोप; आम आदमी पार्टी नेता संदीप दहिया ने उठाए सवाल

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। चंडीगढ़ के सेक्टर-15ए में चल रहा सीवरेज लाइन निर्माण कार्य स्थानीय निवासियों के लिए बड़ी परेशानी का कारण बन गया है। मकान नंबर 229-238 और 301-310 के आसपास रहने वाले परिवार पिछले करीब 10 दिनों से टूटी सड़कों, धूल प्रदूषण, अव्यवस्थित निर्माण सामग्री और आवागमन में बाधा जैसी समस्याओं से जूझ रहे हैं। इस मुद्दे को लेकर आम आदमी पार्टी के नेता संदीप दहिया ने प्रशासन और नगर निगम पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद अधिकारियों ने समस्या के समाधान के लिए कोई प्रभावी कदम नहीं उठाया। संदीप दहिया ने बताया कि उन्हें पिछले कई दिनों से क्षेत्रवासियों की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इसके बाद उन्होंने स्वयं मौके पर पहुंचकर हालात का निरीक्षण किया। उन्होंने दावा किया कि छह दिन पहले ही उन्होंने प्रशासक, उपायुक्त, नगर आयुक्त और नगर निगम अधिकारियों को सोशल मीडिया के माध्यम से शिकायत भेजी थी, लेकिन अब तक किसी भी विभाग की ओर से संतोषजनक कार्रवाई नहीं की गई।

सड़क खुदने से घरों तक पहुंचना हुआ मुश्किल

स्थानीय निवासियों के अनुसार सीवरेज लाइन डालने के लिए सड़क को पूरी तरह खोद दिया गया है, जिससे क्षेत्र के 20 से अधिक परिवार प्रभावित हो रहे हैं। लोगों का कहना है कि बुजुर्गों, महिलाओं, स्कूली बच्चों और नौकरीपेशा लोगों को अपने घरों तक पहुंचने में रोजाना कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। निवासियों ने बताया कि सड़क खुदाई के कारण कई स्थानों पर गहरे गड्ढे बने हुए हैं। हाल ही में हुई बारिश के बाद इन गड्ढों में पानी भर गया, जिससे स्थिति और अधिक गंभीर हो गई। कई वाहन चालकों ने गड्ढों में फंसने और वाहनों को नुकसान पहुंचने की शिकायत भी की है।

सड़क पर फैली निर्माण सामग्री से बढ़ी परेशानी

दहिया ने आरोप लगाया कि निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाली रेत, ईंटें, पाइप और अन्य सामग्री सड़क पर बेतरतीब ढंग से फैली हुई है। इसके कारण न केवल यातायात प्रभावित हो रहा है, बल्कि स्थानीय निवासियों के लिए वाहन पार्क करना भी मुश्किल हो गया है। क्षेत्रवासियों का कहना है कि कई घरों के सामने निर्माण सामग्री जमा होने से वाहन निकालना और खड़ा करना लगभग असंभव हो गया है। कई परिवारों को अपने वाहन दूर-दराज स्थानों पर पार्क करने पड़ रहे हैं, जिससे उन्हें अतिरिक्त परेशानी उठानी पड़ रही है।

धूल प्रदूषण से स्वास्थ्य पर असर

निर्माण कार्य के दौरान उड़ने वाली धूल भी स्थानीय लोगों के लिए चिंता का विषय बन गई है। निवासियों का कहना है कि नियमित पानी का छिड़काव नहीं होने के कारण पूरे इलाके में धूल का गुबार बना रहता है। इससे बच्चों, बुजुर्गों और सांस संबंधी बीमारियों से ग्रस्त लोगों को स्वास्थ्य समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि कई बार निर्माण एजेंसी से धूल नियंत्रण और आवागमन की व्यवस्था सुधारने की मांग की गई, लेकिन इस दिशा में कोई ठोस प्रयास नहीं किए गए।

प्रशासन की कार्यप्रणाली पर उठे सवाल

संदीप दहिया ने कहा कि शहर में विकास कार्य आवश्यक हैं, लेकिन उनकी योजना और क्रियान्वयन इस तरह होना चाहिए कि आम नागरिकों को न्यूनतम परेशानी हो। उन्होंने सवाल उठाया कि यदि निर्माण कार्य कई दिनों तक चलना था तो प्रभावित परिवारों के लिए वैकल्पिक व्यवस्था क्यों नहीं की गई। उन्होंने कहा कि शिकायतों के बावजूद अधिकारियों का मौके पर न पहुंचना और समस्या का समाधान न करना प्रशासनिक उदासीनता को दर्शाता है। इससे लोगों में नाराजगी बढ़ रही है।

ये हैं प्रमुख मांगें

आम आदमी पार्टी नेता संदीप दहिया ने प्रशासन और नगर निगम से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा कि प्रभावित परिवारों को राहत देने के लिए तुरंत कदम उठाए जाएं। उन्होंने मांग की कि—

- प्रभावित घरों तक सुरक्षित और सुगम पहुंच सुनिश्चित की जाए।
- वाहनों की वैकल्पिक पार्किंग व्यवस्था की जाए।
- सड़क पर फैली निर्माण सामग्री को तुरंत हटाया जाए।
- धूल नियंत्रण के लिए नियमित पानी का छिड़काव किया जाए।
- सीवरेज निर्माण कार्य को युद्धस्तर पर पूरा किया जाए।
- निर्माण कार्य से प्रभावित लोगों को हुए नुकसान का आकलन कर उचित मुआवजा दिया जाए।

समाधान में देरी से बढ़ सकती हैं मुश्किलें

- दहिया ने चेतावनी दी कि यदि प्रशासन ने जल्द प्रभावी कदम नहीं उठाए तो क्षेत्रवासियों की समस्याएं और बढ़ सकती हैं। उन्होंने कहा कि बरसात के मौसम में खुले गड्ढे और अधूरा निर्माण कार्य किसी बड़े हादसे का कारण भी बन सकते हैं। ऐसे में प्रशासन को तत्काल संज्ञान लेकर समस्या का स्थायी समाधान करना चाहिए।

वीआईपी रोड पर सुरक्षा का नया प्लान, व्यापारियों के साथ पुलिस की सीधी बैठक

अपराध रोकथाम में व्यापारियों की भागीदारी बढ़ाएगी पुलिस

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। तेजी से विकसित हो रहे वीआईपी रोड क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर पंजाब पुलिस ने व्यापारियों के साथ सीधा संवाद स्थापित किया। एएसपी गजल प्रीत कौर ने दुकानदारों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक कर सुरक्षा संबंधी चिंताओं पर चर्चा की और अपराध रोकथाम में उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने पर जोर दिया। बैठक के दौरान एएसपी ने कहा कि शहर के व्यस्त व्यावसायिक क्षेत्रों में सुरक्षा केवल पुलिस की जिम्मेदारी नहीं बल्कि सामूहिक प्रयास का विषय है। उन्होंने व्यापारियों से अपने प्रतिष्ठानों में उच्च गुणवत्ता वाले सीसीटीवी कैमरे लगाने, कैमरों को नियमित रूप से चालू रखने और रिकॉर्डिंग सुरक्षित रखने की अपील की। उन्होंने कहा कि कई मामलों में सीसीटीवी फुटेज अपराधियों तक पहुंचने का सबसे प्रभावी माध्यम साबित होती है। इसलिए सुरक्षा ढांचे को मजबूत करना समय

की आवश्यकता है। एएसपी ने व्यापारियों से कहा कि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति, वाहन या गतिविधि की सूचना तुरंत पुलिस को दें ताकि संभावित घटनाओं को समय रहते रोका जा सके। बैठक में मौजूद व्यापारियों ने भी क्षेत्र की सुरक्षा, ट्रैफिक प्रबंधन और रात्रि गश्त को लेकर अपने सुझाव रखे। पुलिस अधिकारियों ने भरोसा दिलाया कि प्राप्त सुझावों पर गंभीरता से विचार कर आवश्यक कदम उठाए जाएंगे। एएसपी गजल प्रीत कौर ने कहा कि पुलिस जनता के विश्वास को मजबूत करने और सुरक्षित माहौल उपलब्ध कराने के लिए लगातार काम कर रही है। उन्होंने कहा कि पुलिस और व्यापारिक समुदाय के बेहतर समन्वय से क्षेत्र में अपराध पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है और लोगों में सुरक्षा की भावना को और मजबूत किया जा सकता है।

21 कंटेनर में मिला डेंगू का लारवा 2000 संदिग्ध मरीज आ चुके हैं सामने

सहगल

लुधियाना/यूटर्न/12 जून। डेंगू की रोकथाम एवं नियंत्रण के प्रयासों को और तेज करते हुए जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा आज पंजाब रोडवेज की कार्यशालाओं, पीआरटीसी बस डिपो तथा उनसे जुड़े कबाड़ स्थलों (जंक यार्ड) को केंद्रित करते हुए विशेष एंटी-डेंगू अभियान चलाया गया। फेंके गए टायरों, कबाड़ सामग्री तथा पानी जमा करने वाले कंटेनरों के कारण ये स्थान डेंगू फैलाने वाले मच्छरों के प्रजनन के संभावित केंद्र माने जाते हैं। जांच के दौरान स्वास्थ्य विभाग की टीम को 21 कंटेनर में डेंगू मच्छर का लारवा मिला है जिसे मौके पर नष्ट कर दिया गया

विशेष टीमों द्वारा इन उच्च जोखिम वाले स्थानों पर व्यापक सर्विलांस एवं रोकथाम संबंधी गतिविधियां संचालित की गईं ताकि मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान कर उन्हें समाप्त किया जा सके। इसके साथ ही आईइउ (इन्फॉर्मेशन, एजुकेशन एंड कम्युनिकेशन) गतिविधियों के माध्यम से कर्मचारियों, श्रमिकों एवं आम जनता को डेंगू के लक्षणों, बचाव के उपायों तथा स्वच्छ एवं सूखा वातावरण बनाए रखने के महत्व के बारे में जागरूक किया गया।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 9

शिकायतों के बावजूद नहीं हुआ समाधान, एक महीने से सीवरेज के गंदे पानी में रहने को मजबूर स्वास्तिक विहार के लोग

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। स्मार्ट सिटी बनने की ओर बढ़ रहे जीरकपुर में बुनियादी सुविधाओं की स्थिति को लेकर एक बार फिर सवाल खड़े हो गए हैं। नगर परिषद के अधीन आने वाली स्वास्तिक विहार कॉलोनी के निवासी पिछले करीब एक महीने से सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या झेल रहे हैं, लेकिन शिकायतों के बावजूद समाधान नहीं होने से लोगों में रोष बढ़ता जा रहा है।

कॉलोनी की सड़कों पर जमा सीवरेज के गंदे पानी ने निवासियों का दैनिक जीवन प्रभावित कर दिया है। बच्चों को स्कूल जाने और बुजुर्गों को घर से बाहर निकलने के लिए गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ रहा है। लोगों का कहना है कि यदि मानसून शुरू होने से पहले समस्या का समाधान नहीं हुआ तो हालात और गंभीर हो सकते हैं।

स्वास्तिक विहार रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन के प्रधान राहुल राणा, वरिष्ठ उपप्रधान वेद प्रकाश गोयल, उपप्रधान आर.एस. अहलावत, महासचिव गुलशन भसीन और कोषाध्यक्ष सचिन राणा ने बताया कि मकान नंबर 733 के सामने पिछले एक महीने से सीवरेज का पानी जमा है। उनका आरोप है कि अवैध निर्माण के कारण सीवरेज लाइन बाधित हुई है, जिससे पूरी कॉलोनी प्रभावित हो रही है। निवासियों का कहना है कि नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी को कई बार शिकायतें दी गई, लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। वार्ड के नवनियुक्त पार्षद नछत्तर सिंह ने भी दावा किया कि उन्होंने अधिकारियों से कई बार संपर्क करने का प्रयास किया, लेकिन फोन तक नहीं उठाया गया। हैरानी की बात यह है कि पत्रकारों द्वारा भी जब कार्यकारी अधिकारी से पक्ष जानने के लिए संपर्क किया गया तो कोई जवाब नहीं मिला। ऐसे में सवाल उठ रहे हैं कि जब जनप्रतिनिधियों, निवासियों और मीडिया की शिकायतों पर भी अधिकारी प्रतिक्रिया नहीं दे रहे, तो आम लोगों की समस्याओं का समाधान कैसे होगा।

बलटाना पहुंचे क्रिकेट के सबसे चर्चित फैन सुधीर, सचिन पर लिखी किताब की गई भेंट

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। क्रिकेट केवल एक खेल नहीं, बल्कि करोड़ों भारतीयों की भावना है और इसी भावना का सबसे चर्चित चेहरा माने जाने वाले क्रिकेट प्रेमी सुधीर चौधरी का बलटाना आगमन क्रिकेट प्रशंसकों के लिए खास अवसर बन गया। वर्षों के इंतजार के बाद सुधीर चौधरी मॉडर्न एंक्लेव, बलटाना स्थित क्रिकेट प्रेमी रजिंदर कुमार के घर पहुंचे, जहां उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

रजिंदर कुमार ने बताया कि वह पिछले करीब चार वर्षों से सुधीर चौधरी को अपने घर आमंत्रित करने का प्रयास कर रहे थे। आखिरकार उनका यह सपना पूरा हुआ और क्रिकेट जगत के इस चर्चित प्रशंसक का उनके निवास पर आगमन हुआ।

इस अवसर पर रजिंदर कुमार ने सचिन तेंदुलकर के जीवन पर आधारित अपनी लिखी पुस्तक ह्यशून्य से महाशतकह्न सुधीर चौधरी को भेंट की। उन्होंने उम्मीद जताई कि जल्द ही सुधीर चौधरी के माध्यम से उन्हें मुंबई में सचिन तेंदुलकर से मिलने का अवसर मिलेगा।

सुधीर चौधरी भारतीय क्रिकेट टीम के उन चुनिंदा प्रशंसकों में शामिल हैं जिन्हें देश-विदेश में अलग पहचान मिली है। शरीर पर तिरंगे के रंग और 'मिस यू तेंदुलकर' लिखकर मैदान में टीम इंडिया का उत्साह बढ़ाने वाले सुधीर वर्षों से भारतीय क्रिकेट के साथ जुड़े हुए हैं। क्रिकेट प्रेमियों के बीच उनकी पहचान केवल एक प्रशंसक की नहीं बल्कि क्रिकेट के प्रति समर्पण और जुनून के प्रतीक के रूप में स्थापित हो चुकी है। रजिंदर कुमार ने कहा कि सुधीर चौधरी की क्रिकेट के प्रति दीवानगी और सचिन तेंदुलकर के प्रति समर्पण नई पीढ़ी को अपने सपनों के प्रति समर्पित रहने की प्रेरणा देता है।

ढाई महीने पहले पंजाब आया था सोनू, भबात में मिली दर्दनाक मौत

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। भबात गांव में एक 15 वर्षीय किशोर की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत से इलाके में शोक की लहर फैल गई। मृतक सोनू उर्फ मोनू उत्तर प्रदेश के हरदोई जिले का रहने वाला था और बेहतर भविष्य की उम्मीद लेकर करीब ढाई महीने पहले ही अपने परिजनों के पास पंजाब आया था। किसी को अंदाजा नहीं था कि इतनी कम उम्र में उसकी जिंदगी इस तरह खत्म हो जाएगी। जानकारी के अनुसार सोनू गांव भबात में किराये के मकान में रह रहा था। बुधवार रात पड़ोसियों ने जब उसे बुलाने का प्रयास किया और काफी देर तक कोई जवाब नहीं मिला तो उन्हें अनहोनी की आशंका हुई। रोशनदान से झांकने पर किशोर फंदे से लटका दिखाई दिया। इसके बाद आसपास के लोगों ने दरवाजा खोलकर उसे नीचे उतारा, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए डेराबस्सी अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस मामले की जांच कर रही है और आत्महत्या के कारणों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इतनी कम उम्र में किशोर द्वारा यह कदम उठाना कई सवाल खड़े करता है। पड़ोसियों के अनुसार सोनू सामान्य व्यवहार करता था और किसी ने उसके अंदर किसी प्रकार की परेशानी महसूस नहीं की थी। फिलहाल पुलिस परिजनों और परिचितों से पूछताछ कर रही है।

तपती गर्मी में राहत का ठिकाना बनी हार्मिटेज पार्क की छबील

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। जहां एक ओर लगातार बढ़ती गर्मी लोगों का जीना मुश्किल कर रही है, वहीं ढकोली स्थित हार्मिटेज सोसाइटी के निवासियों ने सेवा और मानवता की मिसाल पेश करते हुए राहगीरों के लिए मीठे पानी की छबील शुरू की है। 17 मई से हार्मिटेज पार्क में चल रही यह सेवा अब आसपास के लोगों के लिए राहत का केंद्र बन गई है। सोसाइटी के निवासियों का कहना है कि तापमान बढ़ने के साथ सड़कों पर काम करने वाले मजदूरों, रिक्शा चालकों, डिलीवरी बॉय और राहगीरों को सबसे ज्यादा परेशानी का सामना करना पड़ता है। ऐसे में ठंडा और मीठा पानी उपलब्ध करवाकर उनकी प्यास बुझाने का प्रयास किया जा रहा है। आयोजकों के अनुसार छबील में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग पानी पीने पहुंच रहे हैं। इस सेवा में किसी एक व्यक्ति नहीं बल्कि पूरी सोसाइटी का सहयोग मिल रहा है। निवासियों का मानना है कि समाज में सेवा की भावना को बढ़ावा देने और जरूरतमंद लोगों की मदद करने के लिए ऐसे प्रयास जरूरी हैं।

इस पहल को सफल बनाने में विजय गोयल, विष्णु साहनी, अनिल सेठी, रमेश गुप्ता, राजेश अग्रवाल, सी.पी. मदान और मनोज गुप्ता सहित कई निवासी सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। सोसाइटी के सदस्यों ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल पानी पिलाना नहीं, बल्कि समाज में आपसी सहयोग और सेवा भाव का संदेश देना भी है। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में भी जनहित और समाजसेवा से जुड़े कार्यक्रम जारी रखे जाएंगे।

सुखना चो की सफाई पर फिर करोड़ों खर्च, पिछले कामों की गुणवत्ता पर उठे सवाल

जीरकपुर/यूटर्न/12 जून। मानसून से पहले जीरकपुर नगर परिषद ने सुखना चो की सफाई का कार्य दोबारा शुरू कर दिया है। करीब 2.40 करोड़ रुपये की लागत से चल रहे इस प्रोजेक्ट को लेकर शहर में नई बहस छिड़ गई है। स्थानीय लोगों का सवाल है कि वर्ष 2025 में करोड़ों रुपये खर्च कर करवाई गई सफाई के बावजूद महज एक साल बाद फिर बड़े बजट की जरूरत क्यों पड़ गई। नगर परिषद द्वारा चंडीगढ़ सीमा से बलटाना, बलटाना से गाजीपुर, गाजीपुर से नगला और नगला से घग्गर तक चो की सफाई करवाई जा रही है। गाजीपुर क्षेत्र में जेसीबी मशीनों से काम शुरू हो चुका है। हालांकि कई निवासियों का आरोप है कि पिछले वर्ष सफाई के दौरान निकाली गई गाद को पूरी तरह हटाने की बजाय कई स्थानों पर किनारों पर ही छोड़ दिया गया था, जो बरसात के पानी के साथ दोबारा चो में बह गई। यही कारण है कि एक बार फिर बड़े स्तर पर सफाई की आवश्यकता पड़ रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि वर्ष 2025 और 2026 की परियोजनाओं को जोड़कर देखा जाए तो दो वर्षों में सुखना चो की सफाई पर लगभग 5 करोड़ रुपये खर्च हो चुके हैं, लेकिन समस्या का स्थायी समाधान अब भी नहीं निकल पाया है।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 10

स्वच्छ और हरित चंडीगढ़ के लिए एमसी ने बाजार संघों को दिए ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के गुर

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नगर निगम चंडीगढ़ ने शहर की विभिन्न मार्केट वेलफेयर एसोसिएशनों (एमडब्ल्यूए) के प्रतिनिधियों के लिए विशेष जागरूकता एवं संवेदनशीलता कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला की अध्यक्षता नगर निगम के संयुक्त आयुक्त बलबीर राज ने की। इस अवसर पर मेडिकल ऑफिसर ऑफ हेल्थ डॉ. इंदरदीप कौर, निगम के अधिकारी और विभिन्न बाजार संघों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यशाला में प्रतिभागियों को अप्रैल 2026 से लागू ठोस अपशिष्ट

प्रबंधन नियम-2026 के प्रमुख प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान वैज्ञानिक तरीके से कचरा प्रबंधन, स्रोत स्तर पर कचरे के पृथक्करण, बाजार संघों की जिम्मेदारियों और नियमों के अनुपालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। अधिकारियों ने कचरे के स्रोत स्तर पर चार श्रेणियों—जैविक कचरा, सूखा पुनर्चक्रण योग्य कचरा, घरेलू खतरनाक कचरा और सैनिटरी कचरा—में पृथक्करण के महत्व पर विशेष जोर दिया। प्रतिभागियों को इन सभी प्रकार के कचरे को अलग-अलग संग्रहित करने और उनके सुरक्षित निपटान की प्रक्रिया के बारे में भी जागरूक किया गया। संयुक्त आयुक्त बलबीर राज ने कहा कि चंडीगढ़ को स्वच्छ, हरित और टिकाऊ शहर बनाने के लिए संस्थानों, आवासीय समितियों, व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और अन्य हितधारकों की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। वहीं, डॉ. इंदरदीप कौर ने कहा कि ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के सफल क्रियान्वयन के लिए कचरा पृथक्करण के मानकों का सख्ती से पालन और विकेंद्रीकृत कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अपनाना जरूरी है। नगर निगम अधिकारी ने बताया कि आने वाले दिनों में विभिन्न मार्केट वेलफेयर एसोसिएशनों के साथ जागरूकता बैठकें आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा बाजारों और व्यावसायिक क्षेत्रों का दौरा कर लोगों को स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण और वैज्ञानिक कचरा प्रबंधन के प्रति जागरूक किया जाएगा। नगर निगम चंडीगढ़ ने नागरिकों की भागीदारी और नियमों के सख्त अनुपालन के माध्यम से शहर को स्वच्छ, हरित और पर्यावरण अनुकूल बनाने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

भाजपा युवा मोर्चा चंडीगढ़ में दीपक कौशिक बने प्रदेश प्रवक्ता

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) चंडीगढ़ की नई प्रदेश टीम में दीपक कौशिक को प्रदेश प्रवक्ता नियुक्त किया गया है। संगठन में लंबे समय से सक्रिय रहे दीपक कौशिक इससे पहले वर्ष 2013 में मंडल अध्यक्ष, वर्ष 2017 में जिला महामंत्री, वर्ष 2020 में प्रदेश मीडिया प्रभारी और वर्ष 2024 में प्रदेश कार्यालय सचिव के रूप में विभिन्न जिम्मेदारियों का निर्वहन कर चुके हैं। पार्टी नेतृत्व ने संगठन के प्रति उनकी सक्रियता, निष्ठा और समर्पण को देखते हुए उन्हें प्रदेश प्रवक्ता की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी है। नियुक्ति के बाद दीपक कौशिक ने भाजपा चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेंद्र पाल मल्होत्रा, भाजयुमो प्रभारी रमेश साहोरे और भाजयुमो चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष अभय झा का आभार व्यक्त किया।

दीपक कौशिक ने कहा कि संगठन द्वारा उन पर जताया गया विश्वास उनके लिए सम्मान के साथ-साथ बड़ी जिम्मेदारी भी है। उन्होंने कहा कि वह पार्टी की विचारधारा, संगठन की नीतियों और जनहित से जुड़े मुद्दों को प्रभावी ढंग से जनता तक पहुंचाने का प्रयास करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का युवा वर्ग राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है और भाजपा युवा मोर्चा युवाओं को संगठन तथा समाज सेवा से जोड़ने के लिए निरंतर कार्य कर रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि पार्टी नेतृत्व के मार्गदर्शन में वह संगठन की अपेक्षाओं पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करेंगे।

विश्व बाल श्रम निषेध दिवस पर चंडीगढ़ में जागरूकता अभियान, लोगों को किया जागरूक

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। विश्व बाल श्रम निषेध दिवस के अवसर पर बाल श्रम के दुष्प्रभावों और इससे जुड़े कानूनी प्रावधानों के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से जिला बाल संरक्षण इकाई (डीसीपीयू), एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) और श्रम विभाग ने जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) चंडीगढ़ के मार्गदर्शन में शहर के विभिन्न क्षेत्रों में संयुक्त जागरूकता अभियान चलाया। अभियान के तहत सेक्टर-48, सेक्टर-38 पश्चिम और मनीमाजरा की मोटर मार्केटों सहित सेक्टर-26 स्थित ट्रांसपोर्ट एरिया में दुकानदारों, श्रमिकों, मैकेनिकों, परिवहन कर्मियों और आम नागरिकों को बाल अधिकारों तथा बाल श्रम निषेध संबंधी कानूनी प्रावधानों की जानकारी दी गई। इस दौरान जागरूकता पर्चे और सूचना सामग्री भी वितरित की गई। अधिकारियों ने लोगों को बताया कि बच्चों से श्रम करवाना कानूनन दंडनीय अपराध है तथा प्रत्येक बच्चे को शिक्षा, सुरक्षा और समग्र विकास का अधिकार प्राप्त है। नागरिकों से अपील की गई कि बाल श्रम का कोई भी मामला सामने आने पर इसकी सूचना तत्काल जिला बाल संरक्षण इकाई, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट या श्रम विभाग को दें, ताकि बच्चों का समय पर बचाव, पुनर्वास और आवश्यक कानूनी कार्रवाई सुनिश्चित की जा सके। अभियान में शामिल विभागों ने बाल श्रम मुक्त समाज के निर्माण और बच्चों के अधिकारों की रक्षा के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

हरियाणा जल्द बनेगा आलू के प्रमाणित बीज उत्पादन का नैशनल हब : श्याम सिंह राणा

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्याम सिंह राणा ने कहा है कि राज्य जल्द ही उच्च गुणवत्ता वाले प्रमाणित बीज आलू के उत्पादन के लिए राष्ट्रीय हब के रूप में उभरने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। वे बागवानी विभाग द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला में बोल रहे थे, जिसमें 'हरियाणा टिशू कल्चर आधारित बीज आलू अधिनियम, 2026', एफपीओ मिशन और हरियाणा उद्यानिकी नीति पर चर्चा की गई। मंत्री ने बताया कि प्रस्तावित अधिनियम से राज्य में रोग-मुक्त और ट्रेस करने योग्य बीज आलू उत्पादन को बढ़ावा मिलेगा, जिससे किसानों को बेहतर मूल्य और नए बाजार मिलेंगे। उन्होंने कहा कि टिशू कल्चर और आधुनिक तकनीकों से प्रमाणित बीज उत्पादन को वैज्ञानिक आधार मिलेगा।

अधिकारियों के अनुसार हरियाणा में करीब 33,000 हेक्टेयर में आलू की खेती होती है और राज्य में बीज आलू उत्पादन की बड़ी संभावनाएं हैं। आने वाले वर्षों में यहां लगभग 10 लाख क्विंटल प्रमाणित बीज उत्पादन की क्षमता विकसित हो सकती है।

कार्यशाला में एफपीओ की भूमिका, कृषि उत्पादों के सामूहिक विपणन, भंडारण और मूल्य संवर्धन पर भी विस्तार से चर्चा हुई। साथ ही आधुनिक बागवानी और निर्यात-उन्मुख खेती को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विशेषज्ञों, वैज्ञानिकों, एफपीओ प्रतिनिधियों और किसानों ने अपने सुझाव भी साझा किए।

मलोया थाना पुलिस ने 2.29 किलो चरस के साथ चार आरोपियों को किया गिरफ्तार

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। मलोया थाना पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए 2.29 किलोग्राम चरस बरामद कर चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है। यह कार्रवाई शहर की एसएसपी कंवरदीप कौर के निर्देश पर डीएसपी धीरज कुमार की निगरानी में इंस्पेक्टर बलदेव कुमार की टीम ने की। पुलिस के अनुसार 9 जून को मलोया थाना की टीम ने सत्संग भवन, मलोया के पास तीन संदिग्ध व्यक्तियों को गिरफ्तार किया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से कुल 1.493 किलोग्राम

चरस बरामद हुई। गिरफ्तार आरोपियों में 58 वर्षीय राजिंदर सिंह, 36 वर्षीय हनी और 43 वर्षीय अवतार सिंह शामिल हैं। तीनों आरोपी पंजाब के होशियारपुर जिले के रहने वाले हैं।

मामले में थाना मलोया में एनडीपीएस एक्ट की धारा 20 के तहत एफआईआर दर्ज की गई। गिरफ्तार आरोपियों को अदालत में पेश कर तीन दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया। पूछताछ के दौरान आरोपी राजिंदर सिंह ने खुलासा किया कि वह चरस हिमाचल प्रदेश के कुल्लू क्षेत्र से लाता था। इस सूचना के आधार पर पुलिस ने 11 जून को कुल्लू निवासी 33 वर्षीय रमेश चंद को गिरफ्तार किया।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 11

2027 की तैयारी में कांग्रेस, डेराबस्सी में किरण मखीजा को मिली बड़ी जिम्मेदारी

2027 की तैयारी में कांग्रेस, डेराबस्सी में किरण मखीजा को बड़ी जिम्मेदारी

डेराबस्सी/यूटर्न/12 जून। पंजाब में संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने की कवायद के तहत कांग्रेस ने डेराबस्सी हल्के में महिला नेतृत्व को आगे बढ़ाते हुए किरण मखीजा को महिला कांग्रेस का हल्का इंचार्ज नियुक्त किया है। माना जा रहा है कि यह नियुक्ति आगामी विधानसभा चुनावों और संगठन विस्तार की रणनीति का हिस्सा है। पंजाब प्रदेश महिला कांग्रेस की कार्यकारी अध्यक्ष बलजीत कौर द्वारा जारी नियुक्ति पत्र के अनुसार किरण मखीजा की नियुक्ति अखिल भारतीय महिला कांग्रेस की राष्ट्रीय अध्यक्ष अलका लांबा की मंजूरी के बाद की गई है। नियुक्ति तत्काल प्रभाव से लागू होगी। पार्टी सूत्रों के अनुसार डेराबस्सी और आसपास के क्षेत्रों में महिला कांग्रेस की गतिविधियों को गति देने, महिलाओं को संगठन से जोड़ने और कांग्रेस की नीतियों को घर-घर तक पहुंचाने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। पिछले कुछ समय से महिला कांग्रेस संगठन को बूथ और वार्ड स्तर तक मजबूत करने पर जोर दिया जा रहा है।

नियुक्ति पत्र में कहा गया है कि किरण मखीजा को संगठन के प्रति उनकी निष्ठा, समर्पण और सक्रिय भूमिका को देखते हुए यह दायित्व सौंपा गया है। उनसे महिला सशक्तीकरण, संगठन विस्तार और पार्टी कार्यक्रमों के सफल क्रियान्वयन में सक्रिय भूमिका निभाने की अपेक्षा की गई है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि डेराबस्सी तेजी से विकसित हो रहा क्षेत्र है और यहां महिलाओं की राजनीतिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। ऐसे में महिला कांग्रेस के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करने के लिए स्थानीय स्तर पर सक्रिय नेतृत्व को आगे लाना कांग्रेस की रणनीति का हिस्सा माना जा रहा है। नियुक्ति के बाद कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। पार्टी नेताओं ने उम्मीद जताई है कि किरण मखीजा के नेतृत्व में महिला कांग्रेस की गतिविधियों को नई गति मिलेगी और संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूती प्राप्त होगी।

पूर्व सीएम भट्ठल के खिलाफ कोर्ट में अर्जी दायर, विवादित बयान पर मामला दर्ज करने की मांग

पंजाब/यूटर्न/12 जून। पंजाब की पूर्व मुख्यमंत्री राजिंदर कौर भट्ठल के खिलाफ बठिंडा कोर्ट में मामला दर्ज करने के लिए अर्जी दाखिल की गई है। यह अर्जी उनके एक विवादित बयान को लेकर सामाजिक कार्यकर्ता मोहन लाल झुंबा ने दायर की है। इस मामले में अगली सुनवाई 18 जुलाई, 2026 को होगी। मोहन लाल झुंबा, जो बठिंडा के सामाजिक कार्यकर्ता और मार्केट कमेटी के पूर्व चेयरमैन हैं, ने बताया कि उन्होंने पहले इस संबंध में बठिंडा पुलिस में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस द्वारा कोई कार्रवाई न होने पर उन्होंने अदालत का रुख किया। झुंबा के अनुसार, पूर्व मुख्यमंत्री ने एक निजी चैनल को दिए साक्षात्कार में कहा था कि जब वह मुख्यमंत्री थीं, तब कुछ अधिकारियों ने उन्हें सलाह दी थी कि पंजाब का माहौल खराब करके उनकी सरकार दोबारा बन सकती है।

राज्य का माहौल खराब करने का प्रयास...

मोहन लाल झुंबा ने तर्क दिया कि इस बयान से आम लोगों का राजनीतिक नेताओं पर से भरोसा कम हुआ है। उन्होंने चिंता व्यक्त की कि ऐसे अधिकारी भविष्य में भी राज्य का माहौल खराब करने का प्रयास कर सकते हैं।मोहन लाल झुंबा के वकील संजीव गुप्ता ने बताया कि एक जिम्मेदार व्यक्ति द्वारा ऐसा बयान समाज में डर और अस्थिरता पैदा कर सकता है, साथ ही राज्य की शांति भंग कर सकता है।

नेशनल कैटलबेल लिफ्टिंग चैंपियनशिप के विजेताओं का सम्मान, बच्चों ने बढ़ाया डेराबस्सी का मान

डेराबस्सी/यूटर्न/12 जून। महाराष्ट्र के शिरडी में आयोजित 8वीं नेशनल कैटलबेल लिफ्टिंग चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन कर पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को भारत विकास परिषद विवेकानंद शाखा डेराबस्सी द्वारा सम्मानित किया गया। एटीएस वैली स्कूल में आयोजित समारोह में खिलाड़ियों को स्मृति चिन्ह और उपहार भेंट कर उनकी उपलब्धियों का सम्मान किया गया। परिषद के प्रधान नितिन जिंदल ने बताया कि जूनियर वर्ग में एटीएस वैली स्कूल की छात्रा कीरतवीर, परियांशी और छात्र अधृत ने गोल्ड मेडल जीतकर प्रदेश का गौरव बढ़ाया। वहीं दिविशा ने सिल्वर तथा समरित ने ब्रॉन्ज मेडल अपने नाम किया। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि से स्कूल और डेराबस्सी क्षेत्र का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन हुआ है।

उन्होंने कहा कि खेलों में लगातार उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करना समाज की जिम्मेदारी है। ऐसे सम्मान समारोह अन्य युवाओं को भी खेलों की ओर प्रेरित करते हैं। समारोह में वेटरन वर्ग में गोल्ड मेडल जीतने वाली डेराबस्सी की सुषमा बाजवा, संदीप कौर और जसकरण कौर को भी विशेष रूप से सम्मानित किया गया। परिषद पदाधिकारियों ने कहा कि इन खिलाड़ियों की सफलता महिलाओं और युवाओं के लिए प्रेरणा का स्रोत है। इस अवसर पर एटीएस वैली स्कूल की प्रिंसिपल नीना पांडे, डायरेक्टर जय अमरदीप सिंह, बरखा राम, उपेश बंसल, जय प्रकाश सहित खिलाड़ियों के अभिभावक और गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने खिलाड़ियों की उपलब्धियों पर खुशी जताते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

हाई-स्लिट ड्रेस में सोनाक्षी सिन्हा का स्टनिंग लुक

अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा एक बार फिर अपने लेटेस्ट फोटोशूट को लेकर सुर्खियों में हैं। हाल ही में सामने आई तस्वीरों में वह ब्राउन हाई-स्लिट ड्रेस में बेहद स्टाइलिश नजर आ रही हैं। उनके इस ग्लैमरस लुक को सोशल मीडिया पर फैंस का भरपूर प्यार मिल रहा है। तस्वीरों में सोनाक्षी का कॉन्फिडेंट अंदाज और फैशन सेंस लोगों को काफी पसंद आ रहा है। फैंस कमेंट्स के जरिए उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं।

अमृतसर में नशा तस्कर की प्रॉपर्टी पर चला बुलडोजर, नगर निगम-पुलिस का ज्वांइट ऑपरेशन

अमृतसर/यूटर्न/12 जून। पंजाब सरकार के युद्ध नशे के विरुद्ध' अभियान के तहत अमृतसर में नशा तस्करों के खिलाफ लगातार कार्रवाई जारी है। इसी क्रम में, अमृतसर नगर निगम ने पुलिस प्रशासन के सहयोग से गेट हकीमा क्षेत्र की फकीर सिंह कॉलोनी, अन्नगढ़ में एक कथित नशा तस्कर की अवैध रूप से अर्जित संपत्ति को ध्वस्त कर दिया। यह नगर निगम द्वारा की गई 25वीं डिमोलिशन कार्रवाई है। ध्वस्त की गई संपत्ति सुखदेव सिंह उर्फ आकाश पुत्र दिलबाग सिंह की बताई जा रही है, जो फकीर सिंह कॉलोनी, अन्नगढ़ का निवासी है। पुलिस के अनुसार, आरोपी के खिलाफ वर्ष 2020 से 2026 के बीच एनडीपीएस एक्ट के तहत छह मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अतिरिक्त, उसके विरुद्ध तीन बार निवारक कार्रवाई भी की जा चुकी है। आरोपी 8 अप्रैल 2026 को ही जेल से रिहा हुआ था। मौके पर मौजूद पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने मीडिया को बताया कि पंजाब सरकार की 'युद्ध नशों विरुद्ध' मुहिम के तहत अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने नशा तस्करी के खिलाफ कई महत्वपूर्ण सफलताएं प्राप्त की हैं। उन्होंने जानकारी दी कि अंतरराष्ट्रीय सीमा पार से ड्रोन के माध्यम से भेजी जा रही नशीले पदार्थों की कई बड़ी खेपें बरामद की गई हैं और इस अवैध कारोबार से जुड़े कई तस्करों को गिरफ्तार किया गया है।

Uturn Time 13 June 2026_Layout 2 12-06-2026 23:04 Page 12

दिल्ली में सक्रिय दिखे राज्यपाल कटारिया, उपराष्ट्रपति और तीन केंद्रीय मंत्रियों से की मुलाकात

चंडीगढ़ म्यूजियम के आधुनिकीकरण, अंतरराष्ट्रीय खेल आयोजनों और विधिक अवसंरचना को लेकर केंद्र से मांगा सहयोग

नई दिल्ली/चंडीगढ़। पंजाब के राज्यपाल एवं यूटी चंडीगढ़ के प्रशासक गुलाब चंद कटारिया ने गुरुवार को नई दिल्ली में उपराष्ट्रपति और विभिन्न केंद्रीय मंत्रियों के साथ उच्चस्तरीय बैठकों की श्रृंखला में पंजाब और चंडीगढ़ से जुड़े कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की। इन बैठकों में सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, खेल अवसंरचना के विकास और विधिक संस्थाओं को सशक्त बनाने जैसे विषय प्रमुख रूप से शामिल रहे। सबसे पहले राज्यपाल कटारिया ने भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान उन्होंने पंजाब और चंडीगढ़ में चल रही विकासात्मक परियोजनाओं, प्रशासनिक प्राथमिकताओं और जनहित से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। दोनों नेताओं के बीच क्षेत्र के समग्र विकास को लेकर विचार-विमर्श हुआ।

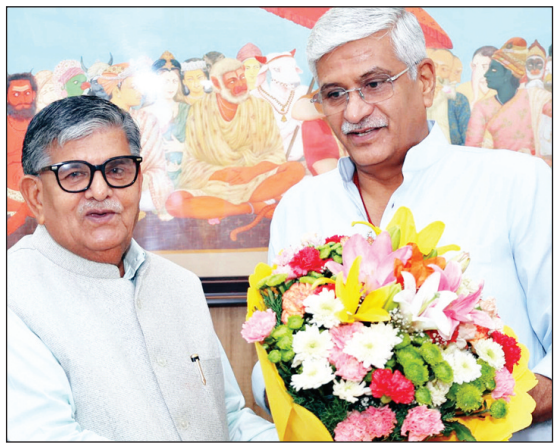

गवर्नमेंट म्यूजियम के उन्नयन के लिए केंद्र से सहयोग की मांग

इसके बाद राज्यपाल ने केंद्रीय संस्कृति एवं पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से मुलाकात कर चंडीगढ़ स्थित गवर्नमेंट म्यूजियम एवं आर्ट गैलरी के आधुनिकीकरण और उन्नयन के लिए भारत सरकार की म्यूजियम ग्रांट योजना के तहत सहयोग का अनुरोध किया। कटारिया ने कहा कि विश्वविख्यात वास्तुकार ली कार्बुजिए द्वारा डिजाइन किया गया यह संग्रहालय चंडीगढ़ की सांस्कृतिक पहचान और विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा है। उन्होंने संग्रहालय में संरक्षित अमूल्य धरोहरों के संरक्षण, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और आगंतुक सुविधाओं को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप विकसित करने की आवश्यकता पर बल दिया।

चंडीगढ़ में अंतरराष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं की मेजबानी पर चर्चा

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया के साथ बैठक में राज्यपाल ने चंडीगढ़ को अंतरराष्ट्रीय खेल केंद्र के रूप में विकसित करने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की। उन्होंने वर्ष 2027 में प्रस्तावित एशियन रिले चैंपियनशिप और 21वीं एशियन रोलर स्केटिंग चैंपियनशिप की मेजबानी के लिए केंद्र सरकार के सहयोग का अनुरोध किया। इसके अलावा नवंबर 2026 में आयोजित होने वाली द्वितीय अंतरराष्ट्रीय चंडीगढ़ मैराथन को सफल बनाने तथा सेक्टर-42 स्थित स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अत्याधुनिक अंतरराष्ट्रीय स्तर के बहुउद्देशीय इंडोर स्पोर्ट्स हॉल की स्थापना के लिए भी सहायता मांगी गई। डॉ. मांडविया ने चंडीगढ़ में खेल अवसंरचना को मजबूत करने और खिलाड़ियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया। राज्यपाल ने पंजाब में भी खेल सुविधाओं के विस्तार और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए केंद्र से सहयोग का आग्रह किया।

विधिक अवसंरचना और अधिवक्ताओं के मुद्दों पर भी हुई चर्चा

अपने दिल्ली दौरे के दौरान राज्यपाल कटारिया ने केंद्रीय विधि एवं न्याय मंत्री अर्जुन राम मेघवाल से भी मुलाकात की। बैठक में विधिक समुदाय से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। विशेष रूप से उदयपुर बार एसोसिएशन द्वारा उठाई गई मांगों और अधिवक्ताओं से संबंधित मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

दोनों नेताओं ने न्यायिक एवं विधिक अवसंरचना को मजबूत बनाने, अदालतों में सुविधाओं के विस्तार और अधिवक्ताओं की समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक कदमों पर चर्चा की।

पंजाब और चंडीगढ़ के विकास के लिए केंद्र से तालमेल पर जोर

राज्यपाल कटारिया की इन बैठकों को पंजाब और चंडीगढ़ के विकास से जुड़े विभिन्न क्षेत्रों में केंद्र सरकार के सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण, खेलों को बढ़ावा देने और सार्वजनिक संस्थानों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से केंद्र और राज्य के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। राज्यपाल के इस दौरे को पंजाब और चंडीगढ़ के लिए संसाधन, अवसंरचना और संस्थागत विकास सुनिश्चित करने के प्रयासों के रूप में देखा जा रहा है।

पीजीआई के डॉक्टरों ने बचाई हॉलीवुड सिनेमैटोग्राफर जॉर्ज रिचमंड की जान

पैराग्लाइडिंग के दौरान 25 फीट ऊंचाई से गिरने के बाद हुई गंभीर स्पाइनल चोट, समय रहते सर्जरी से टला लकवे का खतरा

अजीत झा

चंडीगढ़/यूटर्न/12 जून। हिमाचल प्रदेश में पैराग्लाइडिंग के दौरान हुए गंभीर हादसे में घायल हॉलीवुड के प्रसिद्ध सिनेमैटोग्राफर जॉर्ज रिचमंड को चंडीगढ़ स्थित पीजीआई के डॉक्टरों ने नई जिंदगी दी है। समय पर की गई जटिल स्पाइन सर्जरी के जरिए न केवल उनकी जान बचाई गई, बल्कि स्थायी लकवे के बड़े खतरे को भी टाल दिया गया।

जानकारी के अनुसार 54 वर्षीय जॉर्ज रिचमंड 9 जून को कुल्लू के देव टिब्बा क्षेत्र में पैराग्लाइडिंग के दौरान करीब 25 फीट ऊंचाई से नीचे गिर गए थे। हादसे में उनकी गर्दन की हड्डियां गंभीर रूप से क्षतिग्रस्त हो गईं। चोट इतनी गंभीर थी कि उनके हाथ-पैरों की ताकत लगभग खत्म हो गई थी और सांस नियंत्रित करने वाली नसों पर भी असर पड़ने की आशंका पैदा हो गई थी। हादसे के बाद भारतीय वायुसेना और ब्रिटिश दूतावास के सहयोग से विशेष रेस्क्यू अभियान चलाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें एयरलिफ्ट कर पीजीआई के एडवांस ट्रॉमा सेंटर लाया गया। जांच के दौरान डॉक्टरों ने पाया कि उनकी गर्दन की सी-5 और सी-6 वर्टिब्रा अपनी जगह से खिसक चुकी थीं, जिससे स्पाइनल कॉर्ड पर गंभीर दबाव पड़ रहा था और उनकी स्थिति बेहद नाजुक बनी हुई थी। पीजीआई ट्रॉमा सेंटर के इंचार्ज एवं वरिष्ठ ऑर्थोपेडिक स्पाइन सर्जन डॉ. विशाल कुमार के नेतृत्व में विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम ने तत्काल सर्जरी करने का फैसला लिया। करीब डेढ़ घंटे तक चली इस जटिल सर्जरी में गर्दन की हड्डियों को दोबारा सही स्थिति में स्थापित किया गया और टाइटेनियम प्लेट तथा विशेष स्क्रू की मदद से स्थिर किया गया।

डॉक्टरों के अनुसार सर्जरी सफल रही और इससे स्पाइनल कॉर्ड पर पड़ रहा दबाव कम करने में मदद मिली। फिलहाल जॉर्ज रिचमंड आईसीयू में चिकित्सकीय निगरानी में हैं और उनकी हालत में लगातार सुधार हो रहा है।

Owner, Publisher, Printer: - Komal Sharma, Printed by DB Corp LTD VPO Hamira, Distt Kapurthala-144601 (PB), Published by: House No 68, New Sarabha Nagar, VPO Daad, Ludhiana (PB) - 142022, Editor: Sandeep Sharma
तमाम प्रकाशित सामग्री के चयन व संपादन हेतु आरबीएक्ट के तहत जिम्मेवार।
Contact - +91 9814295372